डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खेलः राजस्थान को हराने के बाद कोहली...

सिनेमा :45 साल की उम्र में यह मुश्किल...

वर्ष -09 अंक -52 | प्रयागराज, बुधवार 26 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

यूपी बोर्ड के परिणाम हुए घोषित...

हाई स्कूल मे ...89.78 पर्सेन्ट कुल
बालक.. 86,64
बालिका 93.34
इन्टर मे ...75.52 कुल
बालक 69.34
बालिका 83.00
प्रतिशत रहा रिजल्ट

दो पहिया वाहनों की टक्कर में एक की मौत, चार अन्य घायल

सहारनपुर। जिले में दो दोपहिया वाहनों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि चार अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि सोमवार की दोपहर बेहट थाना क्षेत्र के कलसिया गांव के समीप एक मोटरसाइकिल और स्कूटी की टक्कर हो गयी, जिसमें पांच लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां मोटरसाइकिल सवार शाकिर (23) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसपी ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि घायलों का उपचार हो रहा है।

रामगढ़ में दो वाहनों की टक्कर में दो लोगों की मौत, 10 अन्य घायल

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर मंगलवार को बस एवं एक अन्य वाहन के बीच टक्कर हो जाने से दो लोगों की मौत हो गयी जबकि 10 अन्य घायल हो गये। रामगढ़ थाने के प्रभारी रोहित कुमार महतो ने बताया कि झारखंड की राजधानी रांची से करीब 50 किलोमीटर दूर चुटुपालू में तड़के बस और एक अन्य वाहन के बीच टक्कर हो गयी। उन्होंने कहा, ''रांची-पटना राजमार्ग पर हुए इस हादसे में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि 10 अन्य घायल हो गये। सभी घायलों को रामगढ़ सदर अस्पताल में ले जाया गया। '' महतो ने बताया कि चार लेन वाले इस राजमार्ग पर तेज रफ्तार से जा रहा एक ट्रेलर, पहले 'डिवाइडर' से टकराया और फिर बस से जा भिड़ा। रामगढ़ के क्षेत्राधिकारी सुधीर कुमार ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन वापस ले लेने के बाद राजमार्ग पर यातायात सामान्य हो गया।

मुस्लिम के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगाः न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्देश दिया कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा क्योंकि राज्य ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का पिछली सरकार का फैसला नौ मई तक जारी रहेगा। नौ जुलाई को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली दलीलों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, इस मामले की आगे की सुनवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई शुरू होने पर कहा कि वह दिन में जवाब दाखिल करेंगे। उन्होंने पीठ से कहा, '' मैं इसे आज दाखिल करूंगा लेकिन समस्या यह है कि मैं (सॉलिसिटर जनरल) व्यक्तिगत समस्या का सामना कर रहा हूं। मुझे समलैंगिक विवाह से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ के सामने भी दलील रखनी है। कृपया इस मामले को

किसी और दिन के लिए सूचीबद्ध करें।'' याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने मेहता द्वारा स्थगन के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि सुनवाई पहले ही चार बार टाली जा चुकी है। मेहता ने कहा कि अदालत द्वारा पारित अंतरिम आदेश पहले से हीयाचिकाकर्ताओं के पक्ष में है। दवे ने अदालत से अनुरोध किया कि वह मेहता की दलीलों को दर्ज करें कि मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने के आदेश को लागू नहीं किया जाएगा और 30 मार्च 2002 को जारी किया गया आरक्षण देने का आदेश सुनवाई की अगली तारीख तक लागू रहेगा। पीठ ने दवे के साथ सहमति व्यक्त की और आगे की सुनवाई के वास्ते मामले को नौ मई के लिए सूचीबद्ध किया।

उच्चतम न्यायालय ने 18 अप्रैल को कर्नाटक में मुसलमानों का चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। तब भी राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से वक्त मांगा था। उच्चतम न्यायालय ने 13 अप्रैल को कहा था कि सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के लिए आरक्षण में दो-दो प्रतिशत वृद्धि करने एवं ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुसलमानों के चार प्रतिशत आरक्षण को खत्म करने का कर्नाटक सरकार का फैसला प्रथम दृष्टया त्रुटिपूर्ण'' प्रतीत होता है। कर्नाटक में बसवराज बोम्मई की सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने का फैसला किया था। राज्य में 10 मई को चुनाव हैं।

कर्नाटक सरकार ने पीठ को आश्वासन दिया था कि मामले की अगली सुनवाई तक 24 मार्च के सरकारी आदेश के आधार पर कोई नियुक्ति और दाखिला नहीं दिया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग के मुसलमानों के लिए चार फीसदी कोटा समाप्त करते हुए सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की दो नयी श्रेणियों की घोषणा की थी। ओबीसी मुसलमानों के चार फीसदी कोटे को वोक्कलिगा और लिंगायत समुदायों के बीच बांट दिया गया है। यही नहीं, आरक्षण के लिए पात्र मुसलमानों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के तहत वर्गीकृत कर दिया गया है। राज्य सरकार के फैसले के बाद अब वहां आरक्षण की सीमा करीब 57 फीसदी हो गई है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसके सामने पेश किए गए रिकॉर्ड से ऐसा प्रतीत होता है कि कर्नाटक सरकार का फैसला ''पूरी तरह से गलत धारणा'' पर आधारित है।

दिल्ली सरकार लॉन्च करने जा रही नया मोबाइल ऐप

इस काम के लिए बुजुर्गों और दिव्यांगों को नहीं लगाने पड़ेंगे दफ्तर के चक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार बुजुर्ग और दिव्यांग पेंशन धारकों को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। उन्हें अब अपनी पेंशन की जानकारी लेने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। दिल्ली सरकार का समाज कल्याण विभाग एक ऐसा मोबाइल ऐप लॉन्च कर रहा है जिसके जरिए पेंशनभोगी घर बैठे ही अपनी पेंशन का पूरा स्टेटस जान सकेंगे। पेंशन धारक अब अपने स्मार्टफोन पर मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे ही अपनी पेंशन से जुड़ी सभी जानकारियां हासिल कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य बुजुर्गों और विकलांगों को बहुत आवश्यक राहत प्रदान करना है। अक्सर हमने देखा है कि अपनी पेंशन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए बुजुर्गों और दिव्यांग पेंशन धारकों को सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता है। केजरीवाल

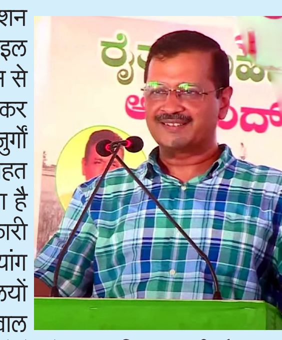

सरकार के इस कदम से 6 लाख लोगों को राहत मिल सकती है। समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने इसकी जानकारी दी है। मोबाइल एप से यह जानकारी भी मिलेगी कि पेंशन का वितरण कब होगा और इसमें कितना समय लगेगा। इसके अलावा, दिल्ली सरकार पेंशनभोगियों को घर-घर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए हर जिले में जिला सुविधा-सह-शिकायत निवारण समितियों का गठन करेगी। इन समितियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पेंशन धारक को घर-घर सहायता प्राप्त हो। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें मजदूरों के लिए मकान व होस्टल (आश्रयस्थलों) की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने विभाग को आदेश दिया कि सरकारी सुविधाओं तथा योजनाओं को दिल्ली में पंजीकृत सभी 13 लाख श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए काम हो। कार्यालय ने कहा कि बैठक में इन बिंदुओं पर फैसले किए गए - सभी श्रमिकों को बसों में मुफ्त सफर के लिए सालाना डीटीसी (दिल्ली परिवहन निगम) पास दिए जाएं। श्रमिकों के रहने के लिए मकानों व होस्टल की व्यवस्था की जाए। सभी श्रमिकों के बच्चों के लिए मुफ्त 'कोचिंग' की व्यवस्था हो।

युवा शक्ति भारत के विकास को आगे ले जाने वाली ताकत : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि युवा शक्ति भारत की विकास यात्रा को आगे ले जाने वाली ताकत है क्योंकि भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में जाना जाता है। यह युवाओं की वजह से है और इसलिए मुझे अपने

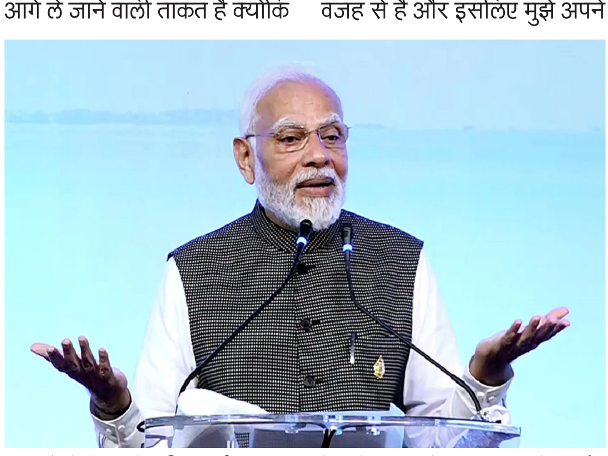

युवाओं ने देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी ने कहा कि एक जमाने में भारत 'फ्रेजाइल फाइव' (पांच कमजोर) देशों में से एक था। उन्होंने यहां 'युवम 2023' सम्मेलन में कहा, 'आज हालांकि देश के युवाओं पर पूरा भरोसा है। मुझे उन पर विश्वास है।'

यह उल्लेख करते हुए कि हर कोई अब कह रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है और देश के पास युवा शक्ति का खजाना है, मोदी ने कहा कि भाजपा और देश के युवाओं की सोच समान है। उन्होंने कहा, 'हम सुधार लेकर आए और युवा नतीजे लेकर।' विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जहां 'भ्रष्टाचार के लिए जानी जाती थीं', वहीं भाजपा सरकार युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य आत्मनिर्भर समाज बनाना है।' मोदी ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार युवाओं के हितों को दिमाग में रखकर काम कर रही है। इसका एक उदाहरण देते हुए, उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबल पद के लिए हिंदी और अंग्रेजी के अलावा मलयालम सहित 13 और भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने के केंद्र सरकार के हालिया फैसले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'पहले लोग सोचते थे कि भारत में कुछ नहीं बदलेगा, लेकिन आज हमारा देश पूरी दुनिया को बदल सकता है।' मोदी ने कहा, 'आज का आत्मनिर्भर भारत डिजिटल भारत के बारे में बात करता है।

नीतीश सरकार के इस फैसले से 'आनंद'मय हो गए बिहार के ये डॉन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर से नेता बने आनंद मोहन बिहार की जेल से रिहा हो गए हैं। उन्हें यह खबर तब मिली जब वह सोमवार को पटना में अपने बेटे की सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे थे। नीतीश कुमार सरकार ने 10 अप्रैल को उनकी रिहाई की सुविधा के लिए जेल नियमों में बदलाव किया था। आनंद मोहन अपने बेटे की सगाई के लिए तीसरी बार पैरोल पर जेल से बाहर आए थे। समारोह के दौरान आनंद मोहन को बताया गया कि वह करीब 30 साल पुराने हत्या के मामले में जेल से छूटा है। 1994 में आनंद मोहन ने गोपालगंज के जिलाधिकारी जी कृष्णैया की लिंचिंग में भीड़ का नेतृत्व किया था। आनंद मोहन ने अपनी रिहाई पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह और उनके समर्थक वर्षों से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। जब पूर्व सांसद से पूछा गया कि भाजपा भी आपकी रिहाई की मांग करती रही है, तो ऐसे में किस पार्टी से राजनीतिक करियर का पार्ट-2 शुरू करेंगे।

केदारनाथ धाम जाने वाले ध्यान दें! खराब मौसम के बीच श्रद्धालुओं के लिए कपाट खुले

लेकिन 30 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन बंद

देहरादून। बाबा के भक्तों का इंतजार खत्म हो गया है। केदारनाथ के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गये। केदारनाथ का मौसम अभी ठीक नहीं हैं। पहाड़ों पर खराब मौसम का असर मैदानों में भी देखने को मिल रहा हैं। केदारनाथ के दर्शन करने के लिए लाखों लोग रोजाना रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। फिलहाल खराब मौसम की चेतावनी के चलते अभी फिलहाल रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया गया है। साथ ही जो यात्री रजिस्ट्रेशन करके दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, उन्हें बीच रास्ते में रोककर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है।

उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट छह माह बंद रहने के बाद मंगलवार को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गये। इस दौरान शून्य से नीचे तापमान के बीच हजारों तीर्थयात्री बर्फ से ढंके मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मंदिर में पूजा अर्चना की। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी रावल भीमाशंकर ने अन्य पुजारियों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार

के बीच विशेष पूजा अर्चना कर सुबह छह बजकर 20 मिनट पर मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए। इस मौके पर मंदिर को 35 क्विंटल फूलों से सजाया गया। केदारनाथ धाम और उसके आसपास का पूरा इलाका बर्फ से ढका हुआ है। चारों तरफ एक फुट से ज्यादा उंची बर्फ की परत जमी हुई है।

हालांकि, मंदिर परिसर और धाम की ओर जाने वाले मार्गों से बर्फ हटा दी गयी है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बर्फबारी और रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण भीषण ठंड के बावजूद हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालु मंदिर के कपाट खुलने के साक्षी बने। कपाट खुलते समय सेना के बैंड की धुनों के बीच भजन कीर्तन एवं शिवभक्तों के जय श्री केदार, बम-बम भोले के उद्घोष से केदारनाथ धाम गुंजायमान रहा। कपाट खुलने के अवसर पर तीर्थयात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गयी।

मौसम विभाग द्वारा 29 अप्रैल तक बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किए जाने के चलते राज्य सरकार ने रविवार को केदारनाथ के लिए श्रद्धालुओं का पंजीकरण 30 तारीख तक बंद कर दिया है, जबकि ऋषिकेश, गौरीकुंड, गुप्तकाशी और सोनप्रयाग सहित कई जगहों पर यात्रियों को फिलहाल वहीं ठहरने को कहा जा रहा है। बाइस अप्रैल को अक्षय तृतीया पर गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा शुरू हो गई। एक अन्य धाम बदरीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को खुलेंगे।

यूपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित, लड़कियों ने फिर से मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। ळइश्एइ यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजे दोपहर 1:30 बजे के बाद आधिकारिक वेबसाइट

ल्नैेल्ट्.हग्म्.ग्ह पर उपलब्ध हैं। आप इन वेबसाइट पर जाके अपना रिजल्ट देख सकते हैं। उत्तर प्रदेश बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा में लड़कियों ने फिर से बाजी मारी है। हाई स्कूल की परीक्षा में 93.43 प्रतिशत लड़कियां और 86.64 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए हैं। 10वीं कक्षा के नतीजों में 11 लड़कियों और सात लड़कों ने शीर्ष 10 रैंक साझा की है। प्रियांशी सोनी ने 98.33 फीसदी अंकों के साथ परीक्षा में टॉप किया है। कुशाग्र पांडे और मिशकत नूर ने दूसरी रैंक साझा की है। दोनों ने 97.83 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इस साल, कुल 31,06,517 नियमित और 10,297 निजी उम्मीदवारों ने यूपी बोर्ड कक्षा 10 की अंतिम परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें से 28,54,879 नियमित और 8,742 निजी उम्मीदवार उपस्थित हुए। इसी तरह इंटरमीडिएट की परीक्षा में 83 फीसदी लड़कियां और 69.34 फीसदी लड़के उत्तीर्ण हुए हैं। महोबा के शुभ छपरा ने इंटरमीडिएट या कक्षा 12 की अंतिम परीक्षा में 97.80 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया है। सौरभ गंगवार और अनामिका (97.20इ) के साथ दूसरे जबकि प्रियांशु उपाध्याय और खुशी, सुप्रिया (97इ) प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर हैं। यूपी बोर्ड 12वीं रिजल्ट 2023 की बात करें तो 27,68,180 छात्रों ने अपना रेजिस्ट्रेशन कराया था। 25,71,002 छात्र इसमें शामिल हुए। पास होने वाले छात्रों की संख्या 19,41,717 है। 75.52 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 10वीं व 12वीं कक्षा की परीक्षा में उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों व गुरुजनों को हृदय से बधाई। आप सभी 'नए उत्तर प्रदेश' के स्वर्णिम भविष्य के आधार स्तंभ हैं। माँ सरस्वती की कृपा से आप सभी का भविष्य उज्ज्वल हो, यही कामना है। 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में राज्य स्तर पर शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य स्तर पर तथा जनपद स्तर पर शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जनपद स्तर पर राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के द्वारा सपा कार्यकर्ताओं को दी गई जिम्मेदारी बनाये बूथ प्रभारी धर्मेन्द्र सिंटू यादव को

आधुनिक समाचार सेवा

हरहुआ/ वाराणसी - समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री के निर्देश पर आगामी चुनाव को देखते हुए महानगर अध्यक्ष दिलीप डे दादाजी व वाराणसी जिला अध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ पहलवान के द्वारा नगर निगम के महापौर एवं पार्षद के चुनाव में वार्ड नंबर 8 दीनापुर एवं वार्ड नंबर 32 लेढ़ूपुर का बूथ प्रभारी धर्मेंद्र सिंटू यादव को बनाया गया। वहीं प्रत्याशी ओपी सिंह के द्वारा पत्रक देखकर जिम्मेदारी का निर्वाहन करने का जिम्मा सौंपा गया। वही युवा व तेजतर्रार वर्तमान में सपा पार्टी से शिवपुर विधानसभा के मजदूर सभा मीडिया के प्रभारी धर्मेन्द्र सिंटू यादव हैं।

पायलट के साथ जारी खींचतान के बीच बोले अशोक गहलोत

मीडिया को लोगों को लड़ाना नहीं चाहिए

नई दिल्ली। राजस्थान में सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच खींचतान लगातार जारी है। हालांकि, अशोक गहलोत ने कहा है कि मीडिया को लोगों को लड़ाना नहीं चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में कांग्रेस का चुनाव अभियान उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित होगा। अनुभवी कांग्रेसी नेता ने यह विश्वास भी जताया कि उनकी पार्टी पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों के आधार पर सत्ता में वापसी करेगी। गहलोत ने कहा कि मीडिया को सच्चाई और तथ्यों पर टिके रहना चाहिएष्ठ मीडिया को हमें आपस में नहीं लड़ना चाहिए। उन्हें (मीडियाकर्मियों को) अपना कर्तव्य पूरा करना चाहिए और यह जनहित में है.. मीडिया को सच्चाई को दोहराने में सरकार का समर्थन करना चाहिए।

गहलोत ने यह भी कहा कि मैं यह नहीं कहता कि 'झूठे आंकड़े पेश करें या हमारी झूठी

प्रशंसा करें' लेकिन मैं चाहूंगा कि मीडिया सच्चाई के आधार पर चले। गहलोत ने कहा कि मीडिया केंद्र सरकार के दबाव में है, लेकिन उन्हें जनता का हित देखना चाहिए। अपनी सरकार की योजनाओं और आगामी विधानसभा चुनावों के बारे में कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी का अभियान उनके शासन की योजनाओं पर केंद्रित होगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि चुनाव में, प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी), (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह बड़े रोड शो में हिस्सा लेंगे, पैसा खर्च करेंगे और चुनाव जीतने के लिए सब कुछ करेंगे। लेकिन हमने फैसला किया है कि हम (राज्य) सरकार के कार्यों के आधार पर आगे बढ़ेंगे।

गहलोत की टिप्पणी पायलट के साथ चल रहे विवाद की पृष्ठभूमि में आई है। दिसंबर 2018 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही दोनों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद चल रहा है। हाल ही में, पायलट ने एक दिन का उपवास रखकर गहलोत के खिलाफ एक और मोर्चा खोल दिया। पायलट ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जिसका वादा 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले किया गया था। गहलोत ने हालांकि पायलट के हमले पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी। राजस्थान में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

अशरफ़ के आईएसआई से संबंधों का खुलासा

पासपोर्ट अधिकारी को लिखा पत्र, कहा- जीशान को विदेश यात्रा करनी है, जल्द पासपोर्ट पूरा करवाएं

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक और अशरफ का पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई कनेक्शन सामने आया है। अशरफ ने करेली में गिरफ्तार आतंकी जीशान कमर को पासपोर्ट बनवाने के लिए जिला पासपोर्ट अधिकारी को पत्र लिखा था। जिसमें कहा था। जीशान कमर प्रयागराज के करेली का रहने वाला है। वह पिछले कई सालों से मेरे यहां काम करता है। जीशान कमर के साथ मेरा घर जैसे ताल्लुक है। इसलिए जल्द से जल्द इनका जीशान कमर का पासपोर्ट पूरा करवाएं। इन्हें अपने काम के सिलसिले में विदेश की यात्रा करनी है। प्रयागराज में माफिया अतीक का खंडहर दफ्तर एक बार फिर चर्चा में है। सोमवार को दफ्तर में सीढ़ियों, कमरे और किचन में खून के धब्बे मिले। जिसके बाद पुलिस की फोरेंसिक जांच टीम ने खून के नमूने और फिंगर प्रिंट लेने के बाद रिपोर्ट सुरक्षित रख लिया है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर खून के धब्बे कैसे हैं? ऐसे में पुलिस आस-पास के अस्पतालों में लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है। हाल ही में घायल हुए या मृत व्यक्ति से इन खून के नमूने और फिंगर प्रिंट का कोई मैच तो नहीं? माना जा रहा है कि अगर किसी घायल व्यक्ति हाल फिलहाल में मृत व्यक्ति का इन फिंगर प्रिंट और ब्लड सैंपल से मिलान होता है तो पुलिस इस मामले से पर्दा उठा सकेगी।

मजलिस ए शोहदा ए कर्बला

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश आगामी 27 अप्रैल दिन बृहस्पतिवार रात्रि 8:00 बजे इमामबाड़ा गुलजार ए बनी हाशिम मोहल्ला मुल्लाना फूलपुर में एक मजलिस ए शोहदा ए कर्बला बराए ईसाले सवाब (स्वर्गीय अतिया जेनब बिनते मीसम रिज़वी गोपालपुरी)का आयोजन किया गया है। जिसमें सर्वप्रथम कुरान खानी द्वारा मजलिस का आगाज होगा। मजलिस में सोजो सलाम मास्टर अली अतहर नक्वी एवं उनके हमनवा प्रेषित करेंगे। मजलिस में कुछ चुनिंदा स्थानीय एवं बाहरी शायर भी अपना कलाम पेश करेंगे। मजलिस को मौलाना उरूज अली मुजफ्फरपुर बिहार संबोधित करेंगे मजलिस के आयोजक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार के अंतरराष्ट्रीय कल्चर सेक्रेटरी श्री मीसम गोपालपुरी ने बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों के लोगों से मजलिस में भाग लेकर मजलिस को को सफल बनाने का आग्रह किया है।

शुआट्स में प्लांट टिशू कल्चर पर कार्यशाला का उद्घाटन

प्रयागराज। शुआट्स में टिश्यू कल्चर पर पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। यह कार्यशाला सेन्टर आफ टिश्यू कल्चर टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ईपेन पी. कोशी (कार्यशाला के सह-आयोजक सचिव) द्वारा प्रार्थना के साथ की गई, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। डॉ. प्रगति शुक्ला (प्रमुख, सेंटर फॉर टिश्यू कल्चर टेक्नोलॉजी और कार्यशाला संयोजक) द्वारा कार्यशाला और सेंटर का संक्षिप्त विवरण दिया गया। प्रोफेसर (डॉ.) आरिफ ए. ब्रॉडवे, निदेशक, विस्तार निदेशालय, शुआट्स ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उद्घाटन भाषण में, उन्होंने प्रतिभागियों के करियर विकास में इस कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें फसल उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में किसानों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कार्यशाला की स्मारिका का विमोचन भी किया। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. गुरुदयाल राम गुरु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विशेषज्ञों द्वारा टिशू कल्चर की विभिन्न तकनीकों पर प्रशिक्षण की सुविधा के लिए कार्यशाला के लिए सीमित संख्या में प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया। प्रो. (डॉ.) रुबीना लॉरेंस (एसोसिएट डीन- अकादमिक और प्रमुख, आणविक और सेलुलर इंजीनियरिंग विभाग और औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग), प्रो. (डॉ.) वीरू प्रकाश, (एसोसिएट डीन- प्रशासन और प्रमुख, जैव रसायन विभाग और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग), प्रो. (डॉ.) जॉर्ज थॉमस, डॉ. राजीव कांत (हेड, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइनफॉरमैटिक्स) और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी अपनी सम्मानित उपस्थिति के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

अतीक-अशरफ हत्याकांड की हकीकत जानेंगे अमिताभ ठाकुर

घटनास्थल पर भी जाएंगे, सीबीआई जांच कराने की कर रहे मांग

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। प्रयागराज में अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर आज प्रयागराज आएंगे। वह यहां माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ हत्याकांड की हकीकत जाने के लिए पहुंचेंगे। मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल (काल्विन) जाएंगे।

जहां पर 15 अप्रैल की रात करीब 10 बजे तीन शूटरों ने अतीक और अशरफ की पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी थी। अमिताभ ठाकुर वहां के आस-पास के लोगों से बातचीत करेंगे।

दरअसल, इस हत्याकांड की जांच के लिए अमिताभ ठाकुर ने सीएम योगी को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटिशिन भी दायर किया है।

अमिताभ ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में लिखा है कि भले अतीक अहमद और उसके भाई अपराधी हों, लेकिन जिस प्रकार से उनकी हत्या हुई है उससे इसके राज्य पोषित होने की पर्याप्त संभावना दिखती है। साथ ही जिस प्रकार इस हत्या की पृष्ठभूमि है। उससे भी इस घटना के राज्य पोषित होने की संभावना बढ़ जाती है।

नोएडा प्राधिकरण ने उत्तराखंड पब्लिक स्कूल को सील किया

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा सेक्टर 56 स्थित उत्तराखंड पब्लिक स्कूल को नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने सील कर दिया है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार बकाया चुकता करने के लिए नोटिस दिया जा रहा था इसके बावजूद भी स्कूल ने भुगतान नहीं किया। नोएडा प्राधिकरण की इस कार्रवाई के बाद पढ़ने वाले 14 सौ छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। छात्रों के परिजनों के कहना है कि अब उनके पास दूसरे स्कूलों में एडमिशन कराने का भी विकल्प नहीं है। लगभग सभी छात्र 3 महीने की फीस जमा करा चुके हैं। गलती स्कूल मालिकों की सजा छात्रों को नोएडा प्राधिकरण यह भूमि उत्तराखंड पब्लिक स्कूल के संचालकों को आवंटित की थी।

सामाजिक उत्थान में सहयोग करने वाले हुए मुझे सम्मानित

दिशिता महिला मण्डल की मदद के लिए दिल से आभार-इंदू

आधुनिक समाचार सेवा

अनपरा (सोनभद्र)। दिशिता महिला मण्डल रेनूसागर द्वारा पूरे वर्ष भर महिला मंडल के द्वारा किये जा रहे सामाजिक उत्थान के कार्यों में विशेष रुप से सहयोग प्रदान करने वाले विभागों के अधिकारियो कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए एक फेलिसिटीशन कार्यक्रम का आयोजन दिशिता महिला मण्डल के कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्षा इन्दु यादव ने अपने उदबोधन में कहा कि आज मुझे यह कहने में गर्व हो रहा है कि साल भर जिन लोगों ने निष्ठा भाव से ऐन केन प्रकारेण अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए दिशिता महिला मण्डल की मदद की है, मैं उनका दिल से आभार ब्यक्त करती हूं और हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी अपनी

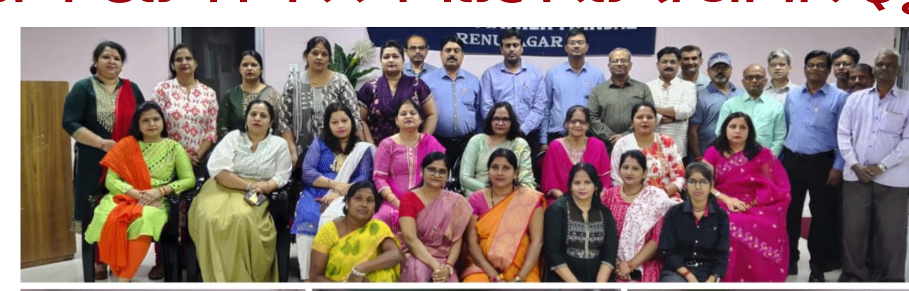

ब्यस्ततम दिनचर्या में से थोड़ा समय निकाल कर दिशिता महिला मण्डल का सहयोग करते रहेंगे। कार्यक्रम के उपरांत दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्षा ने सामाजिक उत्थान के कार्यों में विशेष रुप से सहयोग करने वाले सभी अधिकारियो कर्मचारियों को प्रोत्साहन हेतु स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दिशिता महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्याए प्रमुख रूप से विभा शैलेश सिंह, सपना तिवारी ,संगीता सिंघानिया व अन्य सदस्याओं के अलावा ग्रामीण विकास विभाग की टीम सहित विभिन्न विभागों के लोग उपस्थित थे। महिला मंडल की सचिव ऋतु हर्षवर्धन ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया , कार्यक्रम समापन तूलिका श्रीवस्तव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में वांछित 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में पशु तस्करी से सम्बन्धित अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में करमा पुलिस द्वारा थाना करमा पर पंजीकृत 1.मु0अ0सं0-35/2023 धारा-3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में वांछिंत चल रहे 01 नफर अभियुक्त सेराजुद्धीन पुत्र अहमद अली, निवासी ग्राम खुटहनिया, थाना करमा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 24 वर्ष को उसके घर में दबिश देकर गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गयी । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-** सेराजुद्धीन पुत्र अहमद अली, निवासी ग्राम खुटहनिया, थाना करमा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 24 वर्ष । **पुलिस टीम का विवरण-** 1. उ0नि0 देवीशंकर यादव, थाना करमा, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 बृजेश यादव, थाना करमा, जनपद सोनभद्र। 3. हे0 का0 रंगीले यादव, थाना करमा, जनपद सोनभद्र।

एक किलो 250 ग्राम नाजायज गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के कुशल निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को चौकी डाला, थाना चोपन पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त मिथलेश पुत्र जवाहिर, निवासी चूड़ी गली डाला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र के कब्जे से 01 किलो 250 ग्राम नजायज गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चोपन पर मु0अ0सं0-74/2023 धारा 8/20 उइर्ए हू का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में डाला चौकी प्रभारी उ0नि0 राजेश प्रताप सिंह, का. शोएब खाऩ व का. योगेश कुमार यादव शामिल रहे।

आंधी पानी से गिरे पेड़ विद्युत आपूर्ति बाधित

फूलपुर। बीती शाम फूलपुर के उत्तरी क्षेत्र कोडापुर, मैलहन, खंसार, मैलवना, कोनार, मुबारकपुर आदि में कई पेड़ धराशाई हो गए कहीं-कहीं तार टूटे तो कहीं खंभे धराशाई हो गए। मैलहन बाजार में पेड़ों के धराशाई होने से शाम से सुबह तक आपूर्ति ठप्प रही। जिससे जलापूत ना हो सकी लोगों की मोबाइल भी चार्ज नहीं हो पाई। रोज-रोज की आंधी पानी से ठंड भी बेमौसम बढ़ गई। जिससे बच्चों में सर्दी, खांसी, बुखार की शिकायत पैदा हो गई।

महिलाओं के लिए स्वच्छ शौचालय पहली प्राथमिकता : सायरा बानो

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। नगर अध्यक्ष फूलपुर पद हेतु कांग्रेस उम्मीदवार सायरा बानो ने एक भेंट में कहा कि यहां दो दो बार महिला नगर अध्यक्ष रही। परंतु बहनों की पीड़ा नजरअंदाज करती रही। किसी भी मोहल्ले में महिलाओं हेतु स्वच्छ शौचालय नहीं बनवाया गया ना ही टाउन एरिया में कोई एंबुलेंस रखी गई। आज भी महिलाएं खेतों की ओर शौच हेतु जाती दिखती है। प्रसव पीड़ा गंभीर बीमारियों हेतु जिला

चिकित्सालय पहुंचाने की सुविधा नहीं है। स्वच्छ पेयजल बच्चों के लिए पार्क, पात्रों को आवास, हर चौराहे पर सीसी कैमरा, हर वार्ड में स्ट्रीट लाइट जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने कहा महेज चुनाव जीतना लक्ष्य नहीं होना चाहिए अपने टाउन एरिया के नागरिकों के प्रति सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए। मैं यही सब उद्देश्य लेकर मैदान में उतरी हूं। यही की बेटी हूं, उच्च शिक्षा ग्रहण करके फूलपुर के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना है।

समाजवादी सोच से विकास संभव : विजमा यादव

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर नगर पंचायत के शेषपुर मोहल्ले में प्रतापपुर रोड पर नगर अध्यक्ष पद हेतु चुनावी सभा में उतरी सपा की काजमीन जहां जो पूर्व नगर अध्यक्ष रही है। उनके कार्यालय उद्घाटन की मुख्य अतिथि प्रतापपुर विधायिका विजमा यादव ने कहा कि हम लोग समाजवादी

विचारधारा के हैं, अलगाववादी, वर्गवादी, जातिवादी भावना नहीं रखते। इसलिए काजमीन जहां को यहां की जनता का प्यार मिलता रहा। पूर्व एमएलसी वासुदेव यादव ने फूलपुर की सीट पूर्व की भांति यथावत रखने पर जोर दिया। पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी ने कहा कि फूलपुर की जनता ने हमें अभूतपूर्व प्यार दिया था वही प्यार काजमीन जहां के साथ बरकरार रखिए। सभा को जिला अध्यक्ष अनिल यादव, राम सुमेर पाल, पंधारी यादव, श्याम लाल पाल आदि ने संबोधित किया। मौके पर पूर्व नगर अध्यक्ष मनसूर आलम, नसरुद्दीन राईन, सौरव यादव, रामचंद्र यादव एडवोकेट, राम अवध पाल, धारा सिंह, राजकुमार पटेल, कुमार मंगल, सुजीत यादव, अरसद उल्ला, नियाज अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

अविभावकों ने उत्तराखंड पब्लिक स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन किया

आधुनिक समाचार सेवा
देव मणि शुक्ल

नोएडा सेक्टर-56 में स्थित उत्तराखंड पब्लिक स्कूल को प्राधिकरण द्वारा सील किए जाने के बाद आज सैकड़ों अभिभावकों का आक्रोश भडक़ गया। ऑल नोएडा स्कूल पैरेंटस एसोसिएशन के नेतृत्व में सैकड़ों अभिभावकों ने आज स्कूल गेट पर तथा पुलिस के रोकने पर बाद में स्मृति वन के पास जमकर विरोध प्रदर्शन किया तथा स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की।

एएनएसपीए के अध्यक्ष यतेन्द्र कसाना तथा सैकड़ों अभिभावकों ने मांग की है कि स्कूल प्रबंधन के काले कारनामों की सजा हजारों छात्रों को क्यों दी जा रही है। छात्रों व अभिभावकों का इसमें क्या कसूर है। वे तो हर माह स्कूल को फीस अदा कर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन ने यदि प्राधिकरण को जमीन आवंटन की बकाया राशि जमा नहीं की तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए न कि छात्रों पर। संपत्ति कुर्क कर वसूल की जाए

बकाया राशि उनकी मांग है कि प्राधिकरण बकाया राशि की वसूली के लिए स्कूल प्रबंधन तथा ट्रस्ट के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर करें तथा उनकी संपत्ति की कुर्की करके बकाया राशि की वसूली करें। स्कूल को चलने दिया जाए जिससे यहां पढ़ रहे करीब 1500 छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो।

स्कूल पर बकाया 15 करोड़ रुपये मालूम हो कि उत्तराखंड जनकल्याण परिषद को वर्ष-1991 में प्राधिकरण ने 3549 वर्गमीटर जमीन आवंटित की थी। उस वक्त स्कूल प्रबंधन ने 20 फीसदी राशि जमा की थी इसके बाद से प्राधिकरण को एक रूपया भी जमा नहीं कराया। प्राधिकरण पिछले तीन वर्षों से नोटिस देकर बकाया राशि जमा करने की चेतावनी दे रहा है। स्कूल की जमीन का आवंटन पहले ही निरस्त किया जा चुका है। स्कूल पर 15 करोड़ रुपये बकाया है। अब सोमवार को सील भी कर दिया गया है।

प्रदर्शन में ए.एन.एस.पी.के अध्यक्ष यतेन्द्र कसाना, महासचिव के. अरूणाचलम, उपाध्यक्ष विकास बंसल, मनोज कटारिया, नरेश रावत, संतोष खंडूरी, बृजेश गुर्जर, रमेश भारती, बेनी प्रसाद, शैलेन्द्र, देवेन्द्र रावत, पुष्कर, अतुल बंधु, विनोद कुमार, संदीप, वीरेंद्र सिंह, वेदवती, ज्योति, प्रीति, ललिता भंडारी, निर्मला जोशी, कविता शाह समेत सैकड़ों अभिभावक मौजूद थे। एएनएसपीए तथा अभिभावकों ने कोतवाली सेक्टर-58 में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ छात्रों के साथ ठगी करने की तहरीर दी है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि अभिभावक लगातार फीस जमा कर रहे हैं। जबकि प्राधिकरण ने सितंबर 2020 में ही स्कूल जमीन की लीजडीड निरस्त कर दी थी। इसके बाद भी स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को धोखे में रखा तथा दाखिला लेते रहे एवं लाखों रूपये बतौर शुल्क वसूलते रहे। अब छात्र पढ? से वंचित हैं। अतः स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया जाए।

भारतीय जनता पार्टी के दो उम्मीदवार राबर्ट्सगंज से रुबी प्रसाद एवं चुर्क से मीरा यादव ने नामांकन किया

आधुनिक समाचार सेवा
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र/जनता पार्टी सोनभद्र के एक मात्र नगर पालिका परिषद राबर्टृसगंज से भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार रुबी प्रसाद व नगर पंचायत चुर्क से मीरा यादव ने नामांकन किया।

राबट्र्सगंज नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के लिए रुबी प्रसाद व चुर्क नगर पंचायत से मीरा यादव ने तहसील मुख्यालय राबट्र्सगंज पहुंचकर अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल के पूर्व भारी संख्या में कार्यकर्ता भाजपा जिला कार्यालय राबट्र्सगंज पर पहुंचे और प्रत्याशी के साथ नामांकन स्थल पर पहुंचकर नामांकन दाखिल कराया साथ में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह जी काशी क्षेत्र के महामंत्री/जिला प्रभारी सोनभद्र अशोक चौरसिया जी भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, घोरावल विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, सदर विधायक भूपेश चौबे, पूर्व विधायक तिरथराज जी, अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, नगवां ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष ई. रमेश पटेल, अशोक मौर्या, ओमप्रकाश दूबे, उदयनाथ मौर्या, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, जिला पंचायत सदस्य मनोज सोनकर, रविन्द्र केशरी, कृष्णमुरारी गुप्ता, जिला मिडियाप्रभारी अनूप तिवारी सहित नगर के संभ्रांत व्यवसायी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिव पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में चौथे दिन कथा में व्यास महेश पाठक शास्त्री जी ने शिव पार्वती विवाह का रोचक वर्णन किया। हिमालय राज की कन्या पार्वती बड़ी होने लगती हैं। पार्वती ने मन में प्रण लिया की वह शिव को पति के रूप में प्राप्त करेंगी। देवता भी शिव जी को मनाते हैं कि वह पार्वती से विवाह कर लें लेकिन शिव जी इसके लिए तैयार नहीं हुए। माता पार्वती शिव जी को प्राप्त करने के लिए कठिन तपस्या करती हैं। भगवान शिव प्रसन्न हो विवाह के लिए तैयार हो जाते हैं। देवताओं , भूत ,पिशाचों को लेकर तन में भस्म लगाए शिव बारात लेकर हिमालयराज के यहां पहुंचते हैं।माता मैना दूल्हे का भेष देखकर डर जाती हैं और पार्वती का विवाह करने से मना कर देती हैं ।सभी ने समझाया कि शिव जी कोई साधरण नहीं हैं वह तो देवों के देव हैं। मां पार्वती और भगवान शिव का विवाह होता है और देवता पुष्पों की वर्षा करते हैं । उन्होंने बताया कि शिव जी पर विल्वपत्र अर्पित करने से भगवान शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। प्रातः रुद्र यज्ञ में यज्ञाचार्य मनोहर शास्त्री एवं उप यज्ञाचार्य सुमित

तिवारी ने विद्वान ब्राह्मणों के साथ सभी आवाहित देवताओं का पूजन कराया। रुद्राभिषेक के बाद मंत्रोच्चार के बीच सभी देवताओं को आहुतियां प्रदान की गईं।

आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि श्रीशिव महापुराण की कथा में 26 अप्रैल को कार्तिकेय एवं गणेश चरित्र का वर्णन किया जाएगा। सभी शिव भक्त कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

इस अवसर पर कुटी व्यवस्थापक विकास भारती, फलाहारी महाराज, देवेंद्र गुप्ता , एन के सोलंकी, पंडित अखिल पांडेय, रवि राघव, अजय श्रीवास्तव,अशोक कुमार, अमितेश सिंह, बृज किशोर, संतोष तिवारी, राजवीर सिंह, गुरुमेल सिंह, परदेशी, बाबा हलवाई , मंगू त्यागी, राज कुमार त्यागी, आदेश त्यागी , पंडित सागर द्विवेदी, सुभाष शर्मा, पंडित विनोद शास्त्री , पंडित गोविंद शास्त्री सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

श्री शिव महापुराण में सती जन्म की कथा सुनाई

आधुनिक समाचार

नोएडा सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में आयोजित श्री शिव महापुराण एवं रुद्र महायज्ञ के तृतीय दिवस कथा व्यास महेश पाठक शास्त्री जी महाराज ने सती जन्म कथा का रोचक प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि दक्ष प्रजापति के कई पुत्रियां थीं और सभी रूपवान और गुणवान थीं लेकिन राजा दक्ष चाहते थे कि उनकी एक ऐसी पुत्री हो जो सर्व शक्ति संपन्न हो। राजा दक्ष ने घोर तप किया और दक्ष के तप से मां भगवती प्रसन्न हो गईं। दर्शन देकर मां भगवती ने कहा कि वह स्वयं तुम्हारे यहां पुत्री रूप में जन्म लूंगी , मेरा नाम सती होगा। सती के रूप में स्वयं मां भगवती ने दक्ष के यहां जन्म लिया। दक्ष के राज्य में चारों ओर मंगल ही मंगल होने लगे। प्रातः यज्ञाचार्य मनोहर शास्त्री एवं उप यज्ञाचार्य सुमित तिवारी ने विद्वान ब्राह्मणों के साथ रुद्र महायज्ञ में रुद्राभिषेक एवं आहुतियां डलवाकर यज्ञ कराया। आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 24 अप्रैल को शिव पार्वती विवाह आदि प्रसंगों का कथा व्यास द्वारा वर्णन किया जाएगा।

रन फार अर्थ मैराथन का आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा
देव मणि शुक्ल

नोएडा नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज कालेज के तत्वावधान में प्राकृतिक संपत्ति के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रन फार अर्थ मैराथन का आयोजन किया गया। रन फार अर्थ की शुरुआत जीएल बजाज कालेज के गेट से हुई। मैराथन में जीएल बजाज कॉलिज के छात्रों के साथ साथ विभिन्न स्कूल से आए छात्रों, युवाओं और सोसायटी व सेक्टर से आए लोगों ने भी बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना था। दौड़ के माध्यम से मृदा (मिट्टी) संरक्षण का भी संदेश दिया गया। मुख्य अथिति ईश फाउंडेशन के संस्थापक जग्गी वासुदेव सद्गुरु ने वीडियो संदेश के माध्यम से दौड़ में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जागरूक किया। मैराथन में हिस्सा लेने

के लिए लोगों में उत्सुकता दिखाई दी जिसके लिए बड़ी संख्या में लोगों ने पंजीकरण कराया था। सभी लोग सुबह छह बजे आयोजन स्थल पर पहुँच गए। दौड़ में शामिल सभी लोगों की टी शर्ट का वितरण किया गया। कॉलिज में इंजीनियरिंग विभाग के डायरेक्टर डॉ0 मानस कुमार मिश्रा व मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ0 मुकुल गुप्ता ने मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। सात किलोमीटर की मैराथन जीएल बजाज कालेज से शुरू होकर एक्सपो मार्ट गोलचक्कर नॉलेज पार्क के विभिन्न कालेजों के सामने से होते हुए पुनः जीएल बजाज कॉलिज के गेट पर आकर समाप्त हुई। मैराथन में विराल भाटी ने पहला, रामू ने दूसरा व हर्ष कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को मैडल व पुरस्कार दिए। इस दौरान कॉलिज के सभी अधिकारी और अध्यापकगण मौजूद रहे।

100% Placement

सीधे प्रवेश

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

15% Fee Concession

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी — सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिंग — बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्रिक मैकैनिक — कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

तनाव से मुक्ति के लिए जरूर जाएं शत्रुंजय की पहाड़ी, घूमने की है खूबसूरत जगह

आजकल की भागदौड़ भरी इस जिंदगी में हर इंसान कहीं न कहीं तनाव से घिरा हुआ है। कभी-कभी काम की चिंता के कारण या फिर जीवन की समस्याओं के कारण हम हमेशा तनाव में रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तनाव का हमारे दिलोदिमाग़ पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमें अपने लिए थोड़ा समय घूमने फिरने के लिए अवश्य निकालना चाहिए और ऐसी जगहों पर जाना चाहिए जहाँ हमारा तनाव कम हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि तनाव से बचने के लिए ध्यान, योग, जीवन शैली में सुधार और मानसिक शांति के लिए आप कहीं अच्छी रमणीक जगह पर घूमने जा सकते हैं। ऐसे में अगर आप कहीं जाने की योजना बना रहे हैं तो हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहाँ आप शांति पा सकते हैं और वो जगह है शत्रुंजय की पहाड़ी। तो आइए जानते हैं इस जगह के बारे में।

शत्रुंजय की पहाड़ी के बारे में: दरअसल, शत्रुंजय का शाब्दिक अर्थ है जीत। शत्रुंजय पहाड़ी शांति और आध्यात्मिकता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। हर साल बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं और शांति के पल बिताते हैं। शत्रुंजय पहाड़ी गुजरात के ऐतिहासिक शहर पालिताना के पास स्थित है। हालाँकि, इस शहर के पास पाँच पहाडि़याँ हैं, लेकिन शत्रुंजय पहाड़ी को सबसे पवित्र पहाड़ी माना जाता है। यह पहाड़ी समुद्र तल से 164 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस पहाड़ी पर सैकड़ों जैन मंदिर हैं। वे सभी शतरुंजी नदी के तट पर स्थित हैं। शत्रुंजय हिल को 'आंतरिक शत्रुओं पर विजय का स्थान' के रूप में भी जाना जाता है।

आपको जानकर शायद आश्चर्य होगा कि इस पहाड़ी तक पहुंचने के लिए आपको 375 पत्थर की सीढि़यां चढ़नी पड़ती हैं। इन सीढि़यों पर चढ़ते समय आप प्रकृति के अद्भुत दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। आप इस शांतिपूर्ण जगह में रहने का एक वास्तविक सुखद एहसास प्राप्त कर सकते हैं। शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर, आप यहां पर केवल शांति के पल बिता सकते हैं। यहां समय बिताने से आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही यह कई तरह के तनाव से राहत दिलाने में भी मदद करता है। शत्रुंजय पहाड़ी पर स्थित मंदिरों के निर्माण के बारे में कहा जाता है कि इनका निर्माण 900 साल पहले हुआ था। हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन बड़ी संख्या में लोग इस पहाड़ी पर पहुंचते हैं। ऐसा माना जाता है कि जैन धर्म के संस्थापक आदिनाथ, जिन्हे ऋषभ के नाम से भी जाना जाता है, ने इस शिखर पर स्थित रियान वृक्ष के नीचे कठिन तपस्या की थी। उसी स्थान पर आदिनाथ का मंदिर भी आज मौजूद है। इतना ही नहीं, बल्कि मुस्लिम संत अंगार पीर का स्थान भी मंदिर के परिसर में ही स्थित है।

कहा जाता है कि उन्होंने मुगलों से इस शत्रुंजय पहाड़ी की रक्षा की थी। इसलिए, उनके साथ अंगार पीर को मानने वाले मुस्लिम लोग भी शत्रुंजय पहाड़ी पर आते हैं और उनकी कब्र पर नमाज अदा करते हैं। कहा जाता है कि यहां आकर जो कोई भी कोई मुराद मांगता है तो निश्चय ही उनकी मन की इच्छाएं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हर साल लोग अपने परिवार, अपने दोस्तों और अपने सहयोगियों के साथ यहां पहुंचते हैं। तो आप भी एक बार यहां जरूर जा सकते हैं।

शत्रुंजय हिल कैसे पहुचें?: हवाईजहाज सेः पालिताना शहर, जहाँ पर शत्रुंजय हिल स्थित है, भावनगर एयरपोर्ट से 56 किलोमीटर दूर स्थित है। भावनगर से पालिताना जाने के लिए कोई भी निजी वाहन लिया जा सकता है। **रेल द्वाराः** पालिताना ट्रेन द्वारा भावनगर और अहमदाबाद से पहुँचा जा सकता है। सड़क द्वाराः पालीताना, जो भावनगर से 56 किलोमीटर दूर और अहमदाबाद से 215 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, सड़क मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

शत्रुंजय हिल की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय हैः अक्टूबर से मार्च के महीनों के बीच शत्रुंजय हिल की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय होता है। नवंबर से फरवरी पीक सीजन होता है। शत्रुंजय हिल मानसून के मौसम के दौरान बंद रहता है।

पलिताना में घूमने के लिए प्रमुख पर्यटक स्थलः पालिताना गुजरात के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो धर्म में दृढ़ता से विश्वास रखते हैं तो यह आपके लिए यह एक उपयुक्त जगह है। पालिताना में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन स्थानों की सूची यहाँ दी जा रही है।

हस्तगिरी जैन तीर्थ
शत्रुंजय हिल्स
श्री विशाल जैन संग्रहालय
तलजा टाउन
गोपनाथ बीच

यदि आप शत्रुंजय हिल की यात्रा करने के इच्छुक हैं, तो आप गुजरात के यात्रा कार्यक्रम पर भी एक नज़र डाल सकते हैं और एक या दो दिन के लिए भावनगर से शत्रुंजय हिल को कवर कर सकते हैं।

भारत की वो रहस्यमय गुफाएं जिनका हैं पुरातात्विक महत्व

एलोरा गुफा को एल्लोरा के नाम से भी जाना जाता है लेकिन इसका मूल नाम वेरुल है। एलोरा की गुफा एक पुरातात्विक स्थल है, यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है। इन्हें राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था। अपनी स्मारक गुफाओं के लिए प्रसिद्ध, एलोरा युनेस्को द्वारा घोषित एक विश्व धरोहर स्थल है।

अजंता की गुफाएं : अजंता की गुफाओं में बौद्ध धर्म द्वारा प्रेरित और उनकी करुणामय भावनाओं से भरी हुई शिल्पकला और चित्रकला पाई जाती है, जो मानवीय इतिहास में कला के उत्कृष्ट और अनमोल समय को दर्शाती है। बौद्ध तथा जैन सम्प्रदाय द्वारा बनाई गई ये गुफाएं सजावटी रूप से तराशी गई हैं। महाराष्ट्र में औरंगाबाद शहर से लगभग 107 किलोमीटर की दूरी पर अजंता की ये गुफाएं पहाड़ को काट कर विशाल घोड़े की नाल के आकार में बनाई गई हैं।

बोरा गुफाएं : दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में बेलम व बोरा गुफाएं प्रसिद्ध हैं। बोरा गुफाएं विशाखापट्टनम से 90 किलोमीटर की दूरी पर हैं। गुफाएं क्षैतिज विमान पर 100 मीटर और ऊर्ध्वाधर विमान पर लगभग 75 मीटर के साथ खुलती हैं।

बेलम गुफाएं : आंध्र के कुरनूल से 106 किलोमीटर दूर बेलम गुफाएं स्थित हैं। मेघालय की गुफाओं के बाद ये भारतीय उपमहाद्वीप की दूसरी सबसे बड़ी प्राकृतिक गुफाएं हैं। इन्हें मूल रूप से तो 1854 में एचबी फुटे ने खोजा था लेकिन दुनिया के सामने 1982 में यूरोपीय

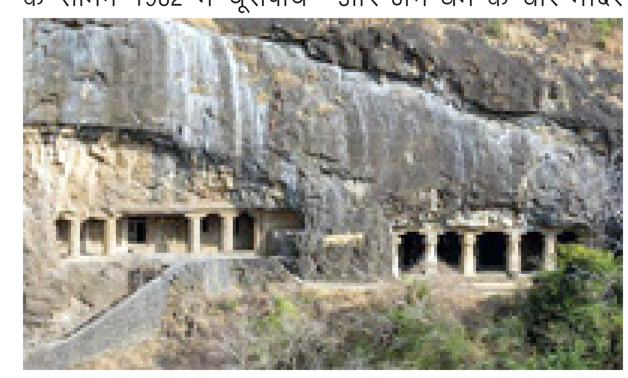

गुफा विज्ञानियों की एक टीम ने इन्हें मौजूदा स्वरूप में पेश किया। **उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएं :** उदयगिरि और खंडगिरि ओडीशा में भुवनेश्वर के पास स्थित दो पहाड़ियाँ हैं। इन पहाड़ियों में आंशिक रूप से प्राकृतिक व आंशिक रूप से कृत्रिम गुफाएँ हैं जो पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की हैं। हाथीगुम्फा शिलालेख में इनका वर्णन कुमारी पर्वत के रूप में आता है। ये दोनों गुफाएं लगभग दो सौ मीटर के अंतर पर हैं और एक दूसरे के सामने हैं। ये गुफाएं अजन्ता और एलोरा जितनी प्रसिद्ध नहीं हैं, लेकिन इनका निर्माण बहुत सुंदर ढंग से किया गया है।

बादामी गुफा : कर्नाटक के बगलकोट जिले की ऊंची पहाड़ियों में स्थित बादामी गुफा का आकर्षण अद्भुत है। बादामी गुफा में निर्मित हिंदू और जैन धर्म के चार मंदिर अपनी खूबसूरत नक्काशी, कृत्रिम झील और शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध हैं। चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफा का दृश्य? इसके शिल्पकारों की कुशलता का बखान करता है। बादामी गुफा में दो मंदिर भगवान विष्णु और एक भगवान शिव को समर्पित है और चौथा जैन मंदिर है। गुफा तक जाती सीढ़ियां इसकी भव्यता में चार चांद लगाती हैं।

अमरनाथ गुफा : अमरनाथ हिन्दुओं का एक प्रमुख तीर्थस्थल है। यहाँ की प्रमुख विशेषता पवित्र गुफा में बर्फ से प्राकृतिक शिवलिंग का निर्मित होना है। प्राकृतिक हिम से निर्मित होने के कारण इसे स्वयंभू हिमानी शिवलिंग भी कहते हैं।

एक सींग वाले गैंडे देखने हैं तो काजीरंगा नेशनल पार्क आइए

वाइल्ड लाइफ देखने वालों के लिए भारत में कई सारे नेशनल पार्क हैं जहां जाया जा सकता हैं। लेकिन कहते हैं हर जंगल के जानवरों की अपनी अलग पहचान होती हैं। भारत के सभी नेशनल पार्कों मेंं सें एक है असम का काजीरंगा नेशनल पार्क, जो 36 वर्ल्ड हेरिटेज साइटस में से एक है। काजीरंगा नेशनल पार्क में आपको एक सींग वाले गैंडे देखने को मिलेंगे। यहां एक सींग वाले गैंडों की संख्या भी ज्यादा है इसलिए काजीरंगा नेशनल पार्क पूरी दुनिया में मशहूर है। ये असम का सबसे पुराना दर्शनीय स्थल है, यह असम के नौगाँव जिले में स्थित है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक सींग वाले गैंडे के अलावा यहां हाथियों के समूह, जंगली बिल्ली, सियार, हिरण, सांभर, लंगूर, तेंदुआ एवं विभिन्न प्रकार के जानवर देख सकते हैं। अन्य पार्कों में र्मानस नामेटी नैशनल पार्क, ऑरेंज नेशनल पार्क भी पर्यटक देख सकते हैं। काजीरंगा यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व विरासत स्थलों की सूची में इसका प्रमुख स्थान है। इसके अलावा यहां बाघ और अन्य जीव भी खूब पाए जाते हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क, असम के बीचों-बीच नौगाँव में 430 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के अंदर बना हुआ है और इसके अंदर ही एक सींग वाले गैंडे की कई प्रजातिया हैं जैसे राइनोसेरोस, यूनीकोर्निस। 1905 में बने इस नेशनल पार्क की सुंदरता सर्दियों के मौसम में और निखर आती है क्योंकि ये हरे-भरे जंगल और यहां के जानवर साथ ही असम का मौसम इस पार्क की खूबसूरती को और बढ़ा देता है। काजीरंगा की एक खास बात ये भी है कि यहां विभिन्न प्रजातियों के बाज, चीलें और तोते भी आते हैं। इस उद्यान का प्राकृतिक परिवेश वनों से युक्त है।

नहीं तो हो जाएंगी हड्डियां कमजोर

अमेरिकी या ब्रिटिश लोगों की तुलना में भारतीय लोगों की हड्डियां पारंपरिक रूप से कमजोर और विकृत होती हैं और भारतीयों में ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डी विकार) होने का खतरा अधिक रहता है भारत में घुटनों की सर्जरी का स्वरूप अमेरिका की सर्जरी से बिल्कुल अलग है। भारतीय उपमहाद्वीप में लोगों के घुटने की हड्डियां कमजोर होती हैं। अमेरिकी लोगों में ऐसा देखने को नहीं मिलता वहां पर लोगों के घुटने की हड्डी का आकार भी यहां के लोगों की तुलना में बड़ा होता है। इसका एक कारण यह है कि भारत में लोग घुटने के दर्द या बीमारी को नजरअंदाज करते हैं और बिल्कुल अंत समय में सर्जरी का विकल्प चुनते हैं। कमजोर हड्डियों का दूसरा बड़ा कारण नियमित व्यायाम की कमी है। भारतीय लोग शारीरिक गतिविधियों को नजरअंदाज करते हैं जिससे हड्डियां कमजोर होती हैं और बाद में तकलीफ बढ़ती है। पश्चिमी देशों में लोग स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सचेत होते हैं और नियमित रूप से व्यायाम आदि करते हैं, इसलिए उनकी हड्डियां मजबूत और उच्चतम गुणवत्ता वाली होती हैं।

लाभकारी है नींबू पानी

जो डायबिटिक हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद- नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है,जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही,यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स,ब्लॉटिंग,जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं,उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कॉन्स्टीपेशन- नींबू पानी कॉन्स्टीपेशन

नींबू बहुत ही गुणकारी है। कई रूपों में यह हमारे स्वास्थ्य के लिए फयदेमंद साबित होता है। नींबू विभिन्न विटामिन्स व मिनरल्स का खजाना माना जाता है। इसमें पानी, प्रोटीन, कारबोहाइड्रेटस और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में। नींबू पानी हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है सिवाय उनके जिन्हें नींबू से एलर्जी होती है। यह खराब गले,कब्ज,किडनी स्टोन, और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया,वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन- नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पडने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है,इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है,लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन फ्लो को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है। डायबीटीज रोगी का साथी- हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है नींबू पानी। खासतौर से उनके लिए की शिकायत से ग्रस्त लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कॉन्स्टीपेशन की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम- नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंटस का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। **खराब गला-** नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन कम- हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या- नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

कैंसरकारी तत्वों का विरोधी- कैंसर से बचाव के लिए नींबू पानी पीना फायदेमंद होता है। शोध अध्ययन बताते हैं कि नींबू अपने एंटी ट्यूमर गुणों के साथ कैंसर के खतरों को कम कर सकता है।

स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर- नींबू पानी का एक और फायदा यह है कि इसमें ब्लड प्रेशर को कम करने के गुण के साथ ही तनाव,डिप्रेशन और अवसाद कम करने के गुण पाए जाते हैं। नींबू पानी पीने से तुरंत ही आपको आराम का अनुभव होगा।

त्वचा की देखभाल- नियमित रूप से नींबू पानी पीने से त्वचा जवां नजर आती है। नींबू एंटीऑक्सीडेंटस गुणों से भरपूर होता है। जाने-माने एंटी-एजिंग गुणों वाला नींबू और दूसरे एंटीऑक्सीडेंटस से भरपूर खाद्य पदार्थ आजकल अत्यधिक पसंद किए जा रहे हैं।

गठिया के पेशेंट को यूं दें आराम, उन्हीं के हिसाब से लगाएं घर का सामान

गठिया या आर्थराइटिस की समस्या इतनी आम है कि यह हमारे-आपके परिवार में से किसी को भी हो सकती है। वैसे तो कहा जाता है कि गठिया 40 से ऊपर के लोगों को ही परेशान करता है, लेकिन अब युवाओं और बच्चे को भी गठिया की परेशानी सताने लगी है। डेली लाइफ में बहुत से ऐसे काम होते हैं, जिन्हें करना आर्थराइटिस के रोगियों के लिए झंझट से कम नहीं होता। ऐसे में किचन, स्टोर और बाथरुम आदि की सेटिंग अगर रोगी को ध्यान में रखकर की जाए, तो उसकी जिंदगी को सरल बनाया जा सकता है। आर्थराइटिस की समस्या में पेशेंट के लिए चलना, जोड़ों को बार-बार मोड़ना, झुकना, भार उठाना आदि मुश्किल होता है। ऐसे में घर के अंदर जरूरी बदलाव करके रोगी के लिए काम को आसान बनाया जा सकता है। **हल्के सामान का करें इस्तेमाल :** ऑर्थराइटिस के रोगी को ध्यान में रखकर अगर घर में बदलाव किए जाएं, तो इस सर्दी भरे मौसम में उन्हें काफी राहत दी सकती है। पुराने तार के भारी हैंगर की जगह अगर घर में प्लास्टिक या लकड़ी के हैंगर रखे जाएंगे, तो पेशेंट के लिए उन्हें पकड़ना आसान हो जाएगा। तार के पुराने हैंगर पर कपड़े डालने से हाथों पर काफी जोर पड़ता है क्योंकि वे बारबार फिसलते रहते हैं। ऐसे में प्लास्टिक और लकड़ी के हैंगर इसके लिए बेस्ट ऑप्शन है। इतना ही नहीं, डेली में काम आने वाली चीजें जैसे कपड़े, जूते, एक्ससरीज को अलमारी के ऊपर वाली शेल्फ में ही रखना चाहिए। ताकि रोगी को बार-बार सामान निकालने के लिए झुकना न पड़े। **दवाई लेना बनाएं आसान :** ध्यान रखें कि पेशेंट को दवाई लेने के लिए किसी पर निर्भर न रहना पड़े। ऐसे में पेशेंट की सभी दवाइयां एक बॉक्स में रख कर उनके पास ही रख दें, जिससे पेशेंट को मशक्कत न करनी पड़ी। साथ ही इसका फायदा ये भी है कि रोज की दवाई चार्ट बन जाने से दवाई स्कीप नहीं की जा सकती। दवाई बॉक्स को रोगी की पास ही रखें इससे उन्हें बार-बार जोड़ों पर दबाव डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दांतो की हर समस्या की अचूक औषधि हैं नीम तुलसी और बबूल,क्या-क्या हैं फायदे

आपकी मुस्कुराहट आपकी खूबसूरती का सबसे अहम हिस्सा होती है। यह मुस्कुराहट तब और खूबसूरत हो जाती है जब आपके दांत स्वच्छ और स्वस्थ होते हैं। बाजार में मिलने वाले तमाम तरह के टूथपेस्ट दांतों की चमक तो बढ़ाते हैं लेकिन साथ ही साथ उनमें मौजूद खतरनाक रसायन आपके दांतों को धीरे-धीरे नुकसान भी पहुंचाते रहते हैं। ऐसे में आगे चलकर आपको दांतों की गंभीर समस्या से सामना करना पड़ सकता है। दांतों को इस खतरे से बचाने के लिए आपको कुछ प्राकृतिक नुस्खों को आजमाना चाहिए। ये नुस्खे न सिर्फ आपके दांतो को चमकदार बनाते हैं बल्कि यह कई तरह की दांत संबंधी गंभीर समस्याओं से निजात दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नीम, बबूल और तुलसी ऐसे ही कुछ सुलभ हर्बल नुस्खे हैं। आज हम इन तीनों के दांतों को लेकर होने वाले लाभ के बारे में चर्चा करेंगे।

नीम - दांतों को लेकर नीम के फायदे से कोई अनजान नहीं है। नीम की पत्तियां जहां संक्रमणरोधी होती हैं वहीं नीम के दातुन दांतो के लिए एक वरदान की तरह होते हैं। दांतों में किसी भी प्रकार की तकलीफ हो नीम के दातुन के पास उन सबका इलाज मौजूद होता है। मुंह की दुर्गंध भी आजकल लोगों की एक अहम समस्या है। दांतों पर तथा मुंह में मौजूद तमाम तरह के बैक्टीरिया ही मुंह की बदबू के सबसे बड़े कारक होते हैं। ऐसे में नीम का दातुन इन सभी बैक्टीरिया को खत्म करने में काफी लाभकारी होता है। नीम के दातुन से दांत काफी मजबूत होते हैं। साथ ही साथ उनमें कोई भी रोग लगने की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। **बबूल -** दांत के दर्द के इलाज में बबूल का कोई सानी नहीं है। बबूल के दातुन भी दांतों की तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं। इसके अलावा भी इनके इस्तेमाल से कई तरह के नुस्खे तैयार किए जाते हैं। 1. अगर आपके मसूढ़ों से खून आता हो तो बबूल की छाल का काढ़ा बनाएं और उससे रोज तीन बार कुल्ला करें। यह अक्सर दांतों में कीड़े लग जाने की वजह से होता है। 2. अगर आपके दांत सड़ रहे हैं तो बबूल की छाल के काढ़े से कुल्ला करें। 3. बबूल की छाल, उसकी पत्ती, फूल और फलियों की बराबर मात्रा लेकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण से रोजाना मंजन करने से दांतो के सभी रोग दूर हो जाते हैं। **तुलसी -** तुलसी हमारे देश में पूजी जाती है। इसका धार्मिक महत्व होने के साथ-साथ इसमें कई तरह के चिकित्सकीय गुण पाए जाते हैं। दांतों के लिए तुलसी के अनेक फायदे हैं। अगर आपके दांतों में पीलापन है तो तुलसी के पत्तों को धूप में सुखाकर पाउडर बना लें। इसके पाउडर को टूथपेस्ट में मिलाकर ब्रश करने से दांतों में चमक आ जाती है। इसके अलावा संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तों को सुखाकर पाउडर बना लें। रोजाना ब्रश करने के बाद इस पाउडर से दांतों की मसाज करें। इससे दांतों का पीलापन दूर हो जाएगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स के फैंस को लगा बड़ा झटका, टूर्नामेंट के अंतिम चरण में टीम का बड़ा खिलाड़ी नहीं होगा उपलब्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग के बीच में ही बड़ा झटका लगा है। टीम का तेज तर्रार खिलाड़ी अब टूर्नामेंट से बाहर हो गया है जिससे टीम की ताकत में कमी आ सकती है। इससे पहले भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का ये खिलाड़ी बीते दो मुकाबलों में भी खेल नहीं सका था।

दरअसल यहां बात हो रही है लखनऊ के तेज गेंदबाज मार्क वुड की जो आईपीएल के बाकी के सीजन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मार्क वुड ने इस सीजन में धमाकेदार प्रदर्शन किया है। चार मुकाबले खेलते हुए मार्क वुड 11 विकेट चटका चुके है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ था जिसमें उन्होंने 14 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे।

मगर अब मार्क वुड अपने घर लौटने की तैयारी में है क्योंकि उनकी गर्भवती पत्नी उनके दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली है। ऐसे में तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मार्क वुड इंडियन प्रीमियर लीग के अंतिम

चरण से बाहर रहेंगे। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने इससे पहले के दो मुकाबले नहीं खेले थे क्योंकि वो बीमार थे।

जानकारी के अनुसार, "वुड और उनकी पत्नी मई के अंत में दूसरी बार माता-पिता बनने वाले है और बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए वुड आगामी हफ्तों में किसी समय स्वदेश लौटेंगे।" माना जा राह है की मई के अंत में मार्क वुड के घर दूसरी बार किलकारियां गूंजेंगी। आईपीएल क्वालीफायर 23 और 26 मई को खेले जाएंगे जबकि फाइनल 28 मई को होगा। इंग्लैंड को आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद एक जून से लार्ड्स में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भी इससे पहले कह चुके हैं कि इस मुकाबले की तैयारी के लिए वह आईपीएल के अंतिम चरण से बाहर रह सकते हैं।

बता दें कि लखनऊ सुपर जायंट्स का अगला मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ 28 अप्रैल को होगा। इससे बाद 1 और 3 मई को भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी टीम को मुकाबला खेलना है। बता दें कि मार्क वुड की गैरमौजूदगी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने टीम में नवीन उल हक को शामिल किया है।

बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। टीम अब तक सात मुकाबले खेल चुकी है जिसमें से उसने चार मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं जिन मुकाबलों में लखनऊ की टीम जीत हासिल नहीं कर सकी वो बेहद ही करीब के मुकाबले थे। लखनऊ की टीम के पास बल्लेबाजों और गेंदबाजों का संतुलन काफी अच्छा है। टीम के सभी खिलाड़ी दमदार फॉर्म में है और लगातार अपने खेल के जरिए टीम को जीत दिला रहे है। बता दें कि लखनऊ का ये दूसरा आईपीएल मुकाबला है। इससे पहले खेले गए टूर्नामेंट में लखनऊ सुपर जायंट्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था।

गुजरात के गढ़ में पांच बार की चैंपियन मुंबई का मुकाबला होगा डिफेंडिंग चैंपियन से, जानों दोनों टीमों के दिलचस्प फैक्ट्स

नई दिल्ली। आईपीएल में आज यानी 25 अप्रैल को पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला होना है। शाम 7.30 बजे होने वाले इस मुकाबले को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच अबतक एक मुकाबला खेला गया है, जो 2022 में हुआ था। इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने जीत दर्ज की थी। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था, जिसमें मुंबई ने पांच रन से जीत हासिल कर गुजरात से जीत छीनी थी। अब काफी लंबे समय बाद दोनों टीमें आमने सामने होंगी जिससे संभावना है की ये मुकाबला काफी रोचक रह सकता है।

इस मुकाबले में रोहित शर्मा को काफी परेशानी हो सकती है। दरअसल रोहित अफगानिस्तान के खिलाड़ी और गुजरात के राशिद खान के आगे टिक नहीं पाते है। रोहित अब तक इस स्पिनर की 29 गेंदों का सामना कर चुके है, जिसमें उन्होंने सिर्फ 43 रन बनाए। राशिद खान रोहित को तीन बार आउट कर चुके है।

टी 20 क्रिकेट में डेविड मिलर के लिए पीयूष चावला भी बड़ी चुनौती है। पीयूष के सामने डेविड सिर्फ 89 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते है। पीयूष ने दो बार मिलर को पवेलियन का रास्ता भी दिखाया है।

गुजरात टाइटंस के धुरंधर गेंदबाज मोहम्मद शमी पावरप्ले में दमदार खेल दिखा चुके है। उन्होंने

इस सीजन में पावरप्ले में ही कुल छह विकेट झटकाए है। उन्होंने इस दौरान कुल 61 डॉट गेंदों फेंकी है। पीयूष चावला इस सीजन में पावरप्ले में सबसे अधिक विकेट लेने वाले और डॉट गेंद डालने वाले दूसरे सफल गेंदबाज है। पावरप्ले के दौरान मुंबई की टीम धमाकेदार खेल दिखाती है। टीम के खिलाड़ी पावरप्ले के दौरान अबतक कुल 16 चक्के जड़ चुके है, जो उन्हें सर्वाधिक छक्के जड़ने में तीसरे स्थान पर लाते है। गुजरात का स्थान नौवा है। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज राहुल तेवतिया बाए हाथ के गेंदबाजों के सामने जोरदार प्रदर्शन करते है। इन गेंदबाजों के सामने उनका स्ट्राइक रेट 195 और बालेबाजी औसत 58.50 का रहा है।

आईपीएल में ईशान किशन और तिलक वर्मा ने दमदार परफॉर्म किया है। आईपीएल 2020 से अबतक लेग स्पिन के खिलाफ दोनो बल्लेबाजों ने 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए है। गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम ने हर बार पावरप्ले में अपना एक विकेट खोया है। ओपनिंग जोगी गिल और सह की सर्वाधिक साझेदारी 48 रनों की रही है।

राजस्थान को हराने के बाद कोहली को लगा बड़ा धक्का

एक गलती करने के लिए भरना होगा 24 लाख का जुर्माना, बैन का भी मंडराया खतरा

नई दिल्ली। विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टैंड-इन कप्तान विराट कोहली को बड़ा झटका लगा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने जीत हासिल की थी। मगर इस जीत के बाद टीम को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली के साथ ही पूरी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट ने जुर्माना लगाया है।

दरअसल विराट कोहली पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के तहत जुर्माना लगा है, जिसके चलते विराट कोहली पर 24 लाख रुपये तो अन्य खिलाड़ियों पर 6-6 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। गौरतलब है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नियमित कप्तान फाफ डु प्लेसिस के अनफिट होने के कारण उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला नहीं खेला था। इस मुकाबले में कप्तानी की जिम्मेदारी विराट कोहली ने निभाई थी। बता दें कि ये जुर्माना टीम पर मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए लगाया है। ये जुर्माना बीसीसीआई ने लगाया है। बता दें कि कप्तान होने के कारण विराट कोहली को अधिक जुर्माने का भुगतान करना होगा। उनकी टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखी थी। इस संबंध में बीसीसीआई ने बयान जारी कर बताया कि आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर रेट अपराधों के तहत ये उनकी टीम द्वारा किया गया दूसरा अपराध था। ये जुर्माना विराट कोहली और उनकी पूरी टीम पर लगा है, इसमें इम्पैक्ट प्लेयर भी शामिल है। विराट को 24 लाख जबकि अन्य खिलाड़ियों को छह लाख का भुगतान करना होगा।

बता दें कि इस मुकाबले में विराट कोहली की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने दमदार प्रदर्शन किया था। मगर उनपर जुर्माना लगाया गया है। ये इस सीजन में दूसरा मौका है जब टीम पर जुर्माना लगाया गया है। इससे पहले एक मुकाबले में फॉफ डुप्लेसी के नेतृत्व में टीम पर 12 लाख रूपये का जुर्माना लग चुका है। बता दें कि आईपीएल में दो बार स्लो ओवर रेट के जरिए ओवर डालने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम पर जुर्माना लग चुका है। इसके बाद अगर तीसरी बार भी यही गलती दोहराई जाती है तो टीम पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। इसके साथ ही टीम पर एक मैच का बैन भी लगाया जाएगा। यानी टीम पर अब बैन लगने का खतरा मंडरा रहा है। बता दें कि आने वाले कुछ मैचों में विराट कोहली ही टीम की कप्तानी करते दिखेंगे।

अजिंक्य रहाणे को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर फाइनल खेलने का मिला मौका

सिर्फ आईपीएल के प्रदर्शन के दम पर नहीं किया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलेगी उसका ऐलान बीसीसीआई ने कर दिया है। इस बार बीसीसीआई ने टीम में कई शानदार खिलाड़ियों को जगह दी है। बीसीसीआई ने टीम में कई चौंकाने वाले नाम को शामिल किया है जबकि कई खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाया है।

इस बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में खेलने के लिए सीनियर क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे को जगह मिली है। इसी के साथ एक बार फिर से वो टीम का हिस्सा बने है। अजिंक्य रहाणे के होने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में टीम को मजबूती मिलेगी। 34 वर्षीय अजिंक्य रहाणे टीम के सीनियर खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टीम में जगह मिलना बेहद चौंकाने वाला है क्योंकि उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट मुकाबला जनवरी 2022 में खेला था। यानी एक वर्ष से अधिक का समय बीतने के बाद उन्हें टेस्ट टीम में जगह मिली है।

वर्तमान में जारी इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबलों में अजिंक्य रहाणे दमदार प्रदर्शन कर रहे है। आईपीएल की 5 पारियों में उन्होंने बेहद शानदार प्रदर्शन किया है। मगर सिर्फ आईपीएल में उनके खेल को देखकर ही उन्हें इतनी अहम टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है। उन्होंने लंबे अर्से से अपने खेल को साबित किया है जिसकी बदौलत उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप की टीम में जगह मिली है।

बता दें कि आईपीएल से पहले अजिंक्य रहाणे फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेलते दिखे थे। इस टूर्नामेंट में अजिंक्य रहाणे के बल्ले से ढ़ेरों रन निकले थे। मुंबई की टीम की कप्तानी करते हुए रहाणे ने सात मैचों में 11 पारियों में खेलते हुए 58 की औसत से 634 रन बनाए थे। इस टूर्नामेंट में उनके बल्ले से दो शतक और एक अर्धशतक निकला था। उन्होंने 204 रनों की बड़ी पारी भी खेली थी। रणजी ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन के बाद अजिंक्य रहाणे ने कहा था कि भारत में टेस्ट मैच में मिडिल ऑर्डर में अच्छा प्रदर्शन करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता है। विराट कोहली से लेकर चेतेश्वर पुजारा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि इसके लिए कई खिलाड़ियों को काभी संघर्ष करना पड़ा है। बता दें कि रणजी ट्रॉफी में अजिंक्य रहाणे के अलावा सरफराज अहमद ने 6 मैच की 9 पारियों में 556 रन बनाए थे, जिसमें 3 शतक और एक अर्धशतक शामिल था। वहीं फाइनल खेलने के लिए सरफराज से अधिक तरजीह अजिंक्य को दी गई है। दरअसल वर्तमान मे श्रेयस अय्यर चोटिल है, जिस कारण रहाणे को टीम में शामिल किया गया है। वहीं

अजिंक्य अन्य खिलाड़ियों की अपेक्षा अधिक अनुभवी है। वो इंग्लैंड में भी खेल चुके है, वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उन्होंने कई मुकाबले खेले हैं जिनमें उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ऐसे में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के एंगल को देखते हुए चयनकर्ताओं ने शानदार फॉर्म में चल रहे अजिंक्य रहाणे को टीम में जगह दी है।

आंकड़ों पर गौर करें तो अजिंक्य रहाणे ने अब तक 82 टेस्ट मुकाबले खेले है। इन मुकाबलों में खेलते हुए वो 12 शतक और 25 अर्धशतकों की मदद से 5 हजार रन बना चुके है। वहीं इंग्लैंड में अजिंक्य रहाणे ने कुल 15 टेस्ट मुकाबले खेले है। इनमें 29 पारियों में 26 की औसत से एक शतक और पांच अर्धशतक की मदद से उन्होंने 729 रन बनाए है। यहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 103 रनों का रहा है। वहीं फर्स्टक्लास क्रिकेट में अजिंक्य कुल 39 शतक जड़ चुके है। बता दें कि अजिंक्य रहाणे भारतीय टीम की कप्तानी भी कर चुके है। वर्ष 2020-21 में विराट कोहली की गैर मूजदगी में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। इस सीरीज में भारतीय टीम को शानदार जीत मिली थी। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रहाणे ने 17 टेस्ट की 32 पारियों में 38 की औसत से 1090 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। उनका बेस्ट प्रदर्शन 147 रन का है। वहीं आईपीएल में भी रहाणे का बल्ला जमकर रन ठोक रहा है। उनके बल्ले से इस सीजन में 200 के स्ट्राइक रेट से 200 से अधिक रन निकले है। वो महज 19 गेंद में अर्धशतक जड़ने का कारनामा भी कर चुके है।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिपः रहाणे की डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम में वापसी

रहाणे को आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करने का मिला इनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप के लिए आखिरकार भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। भारतीय टीम में कई खिलाड़ियों को जगह मिली है जबकि खराब फॉर्म के कारण कई खिलाड़ियों को बाहर रखा गया है। वहीं वर्तमान में जारी आईपीएल में अजिंक्य रहाणे ने बेहद दमदार प्रदर्शन किया है जिसका उन्हें इनाम भी मिला है और उन्हें टीम में शामिल किया गया है। वहीं लंबे समय से फॉर्म से बाहर चल रहे सूर्यकुमार यादव को टीम में जगह नहीं मिली है। चोटिल जसप्रीत बुमराह को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ होना है। ऐसे में ये मुकाबला काफी खास होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया-भारत के बीच लंदन के ओवल मैदान में ये फाइनल मुकाबला होगा। दुनिया भर के क्रिकेट फैंस की निगाहें इस पर टिकी हुई है। इसे जून में 7-11 तारीख के बीच खेला जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया है। पहली बार

उसे न्यूजीलैंड से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। बीसीसीआई ने 25 अप्रैल को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में अब अजिंक्य रहाणे की वापसी हुई है। गौरतलब है कि अजिंक्य रहाणे का बल्ला आईपीएल में जमकर चल रहा है, जिसके बाद उन्हें भारतीय टीम में मौका मिला है। गौरतलब है कि भारतीय टीम के लिए सूर्यकुमार यादव को टेस्ट टीम में खेलने का मौका दिया गया था मगर वो खास कमाल बल्ले से नहीं दिखा पाए। उनके अलावा श्रेयस अय्यर चोटिल है। वहीं आईपीएल के दौरान 34 वर्षीय अजिंक्य रहाणे ने दमदार प्रदर्शन किया है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाया है। बता दें कि आईसीसी टेस्ट टूर्नामेंट के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 19 टेस्ट मैच खेले है। इनमें से टीम ने 11 मकाबले जीते, 3 हारे और पांच में ड्रा किया है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया भारत से आगे यानी शीर्ष स्थान पर है। वहीं भारतीय टीम ने 18 में से 10 मुकाबलों में जीत हासिल की है। 3 मुकाबले ड्रॉ रहे और पांच में हार के साथ भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है। इन्हें नहीं मिला मौका टी20 क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, विकेटकीपर ईशान किशन, कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह नहीं मिली है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तीनों को टीम में जगह मिली थी मगर अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में उन्हें टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है। **ये है भारतीय टीम** रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्स रहाणे, केएल राहुल, केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।

भारतीय हॉकी का प्रायोजक बना रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा सरकार ने पुरुष और महिला भारतीय हॉकी टीमों (सीनियर और जूनियर) के लिए अपने प्रयोजन को 2023 से अगले दस वर्षों (2033 तक) के लिए बढ़ाने का सोमवार को फैसला किया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में फैसला लिया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्य सचिव पी के जेना ने कहा कि ओडिशा 2018 से पुरुष और महिला दोनों राष्ट्रीय हॉकी टीमों का आधिकारिक प्रायोजक रहा है। यह नया समर्थन भारत में हॉकी के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे पहले, 'ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएमसी)' ने 2018 से 2023 तक पांच साल की अवधि के लिए भारतीय हॉकी टीमों (पुरुष/महिला, सीनियर/जूनियर) के प्रयोजन के लिए सरकार की मंजूरी के बाद हॉकी इंडिया के साथ समझौता किया था। जेना ने बताया कि हॉकी इंडिया के अध्यक्ष के अनुरोध के बाद ओएमसी ने समझौते के विस्तार के लिए कैबिनेट की मंजूरी मांगी थी। सरकार ने ओएमसी को यह मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया कि ओएमसी अब 31 जनवरी, 2033 तक दोनों टीमों को प्रायोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवधि के दौरान ओएमसी कुल 434.12 करोड़ रुपये (लागू करों को छोड़कर) हॉकी इंडिया को जारी करेगा।

आईपीएल में एमएस धोनी ने साबित किया ये डीआरएस नहीं धोनी रिव्यू सिस्टम है

जिसे देखकर हैरान रह गए केकेआर के कप्तान नीतीश राना

चेन्नई। महेंद्र सिंह धोनी एक ऐसा नाम जिसने ना सिर्फ भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी बल्कि कई खिलाड़ियों को भी उन्होंने ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद की है। वहीं उनके द्वारा टीम के मद्देनजर लिए गए निर्णय भी काफी खास हैं, जिनकी बदौलत टीम ने कई बार जीत हासिल की है। मैच के दौरान कई बार देखा गया है कि महेंद्र सिंह धोनी ने ऐसे फैसले लिए हैं जिनसे पूरे मैच का रुख बदल गया है। वहीं वो एंपायर के फैसलों को चुनौती देने से भी नहीं डरते और सही साबित होते है।

ऐसा ही कुछ हुआ 23 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुकाबले के बीच जब कप्तान महेंद्र

सिंह धोनी ने ये साबित कर दिया कि डीआरएस (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) नहीं बल्कि धोनी रिव्यू सिस्टम है। कप्तान के तौर पर उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेल के दौरान एलबीडब्ल्यू के फैसले की समीक्षा ली और आमतौर की तरह वो फिर गलत साबित नहीं हुए। मैच के दौरान ये घटना 18वें ओवर में हुई जिसे तुषार देशपांडे ने फेंका। तुषार ने वीज़ को स्टंप्स के सामने ही कैच कर लिया।

इस कैच को अंपायर नितिन मेनन ने रियल टाइम में नॉट आउट करार दिया। महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के एक फिल्डर द्वारा बॉल कैच करने के बाद डीआरएस का इशारा किया। दरअसल वीज़ ने गलत लाइन खेली थी और गेंद उनके जांघ के पैड पर लगी थी, जिससे अंपायर को विश्वास हो गया कि गेंद शायद स्टंप के ऊपर से चली गई होगी। ऐसे में अंपायर ने आउट नहीं दिया, मगर धोनी ने डीआरएस लिया।

वहीं डीआरएल लेने के बाद रिप्ले में पता चला कि गेंद लेग स्टंप के ऊपर से टकराएगी। ऐसे में मैदान के अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। दरअसल आउट होने के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने डिलीवरी के लिए देशपांडे की सराहना भी की। वहीं कोलकाता के नाइट राइडर्स के कप्तान नीतीश राणा ने भी जब रिप्ले देखा तो वो दंग रह गए। इस फैसले को बदलने को लेकर भी उन्होंने काफी सराहा। बता दें कि इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने नाइट राइडर्स पर 49 रन की व्यापक जीत दर्ज की और सात मैचों में पांच जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए। ये इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर था जिसे कोलकाता नाइट राइडर्स अपने होम ग्राउंड में भी चेज करने में सफल नहीं हो सकी। चेन्नई की टीम द्वारा बनाया गया आईपीएल में ये तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। बड़े स्कोर को चेज करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम की शुरुआत बेहद ही खराब रही थी।

सनराइजर्स के बल्लेबाजों को अधिक सक्रियता दिखानी चाहिए थी : लारा

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के कोच ब्रायन लारा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपेक्षाकृत छोटे लक्ष्य का पीछा करने में असफल रहने के लिए अपने बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्होंने अपना आक्रामक रवैया दिखाने में काफी देर कर दी थी। सनराइजर्स को सोमवार की रात को दिल्ली के हाथों सात रन से हार का सामना करना पड़ा जो उसकी लगातार तीसरी पराजय है। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने बेहद रक्षात्मक रवैया अपनाया जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। उसके सामने 145 रन का लक्ष्य था लेकिन आखिर में वह छह विकेट पर 137 रन ही बना पाया। लारा ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''पिच

में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं थी तथा हमें पूरी पारी के दौरान अधिक सक्रियता दिखानी चाहिए थी।''

उन्होंने कहा,'' हमने सब कुछ आखिर के लिए छोड़ दिया। मुझे अच्छा लगता अगर हमारे बल्लेबाज पावर प्ले का पूरा फायदा उठाते। हमने उन्हें बीच के ओवरों में विकेट लेने और हावी होने का मौका दिया।'' सनराइजर्स पावर प्ले में 36 रन ही बना पाया जबकि उसकी आधी टीम 14.1 ओवर में 85 रन पर पवेलियन लौट गई थी। लारा ने कहा,'' पहले 15 ओवर काफी महत्वपूर्ण होते हैं और तब तक हमें काफी बेहतर स्थिति में होना चाहिए था। '' सनराइजर्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अब प्रत्येक मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लारा ने कहा,'' हमें अब आगे के बारे में सोचना होगा और जल्द ही एकजुट होना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि अब हमारे लिए राह मुश्किल है और हमें अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा।''

दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 144 रन का स्कोर बनाया था लेकिन स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा कि टीम को विश्वास था कि वह अपने स्कोर का बचाव करने में सफल रहेगी। कुलदीप ने कहा,,'' शत प्रतिशत एक टीम के रूप में हमें अपनी गेंदबाजी इकाई पर पूरा भरोसा था और हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छी गेंदबाजी की है और यहां पर हमारे पास अपना कौशल दिखाने का मौका था।'' उन्होंने कहा,'' हमने पावर प्ले में अच्छी गेंदबाजी की। इसके बाद बीच के ओवरों में मैंने और अक्षर पटेल ने हमें मैच में बनाए रखा जबकि अंतिम चार ओवरों में एनरिक नोर्किया और मुकेश कुमार ने अच्छी गेंदबाजी की।

सम्पादकीय

क्या एकजुट होगा विपक्ष

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के साथ ही एक बार फिर उम्मीद जताई जाने लगी है कि अब विपक्षी एकता के प्रयासों में ठोस प्रगति देखी जा सकेगी। इससे पहले कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित अपने लेख में इस बात को फिर रेखांकित किया कि कांग्रेस समान विचारों वाले दलों के साथ मिलकर चलने को प्रतिबद्ध है। ध्यान रहे, नीतीश कुमार कई महीनों से विपक्षी एकता सुनिश्चित करने के प्रयासों में लगे थे, लेकिन कुछ बाधाओं के चलते उनके प्रयास कारगर ढंग से आगे नहीं बढ़ पाए। इसकी एक बड़ी वजह यह थी कि के चंद्रशेखर राव केँए, ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की दिलचस्पी कांग्रेस को विपक्षी पार्टियों के मोर्चे से बाहर रखने में दिख रही थी। वहीं, नीतीश कुमार का मानना था कि कांग्रेस को शामिल किए बगैर विपक्षी एकता का कोई मतलब नहीं बनता। वहीं, नीतीश कुमार की उदासीनता की बड़ी वजह यह थी कि खुद कांग्रेस नेता भी उनके प्रयासों को वैसी तवज्जो नहीं दे रहे थे, जैसी उन्हें अपेक्षा थी। इस बीच, राहुल गांधी की सांसदी छिनने के मुद्दे पर अधिकतर विपक्षी दल साथ आए, लेकिन इसके कुछ ही समय बाद ण्झ प्रमुख शरद पवार के एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू ने उनकी एकता पर सवालिया निशान लगा दिया। उस इंटरव्यू में पवार ने अडाणी मामले पर व्झ्ण जांच की विपक्ष की मांग से खुद को अलग करते हुए कहा कि चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में विशेषज्ञों की एक जांच समिति गठित कर दी है, इसलिए अब व्झ्ण जांच की मांग का कोई मतलब नहीं है। खैर, इसे दूसरे विपक्षी दलों ने तूल नहीं दिया और संयत रुख दिखाया। परदे के पीछे चली गतिविधियों का ही परिणाम कहिए कि विपक्षी दलों की आपसी समझ फिर से दिखने लगी। न केवल तृणमूल औरँइ जैसी पार्टियां कांग्रेस के करीब नजर आईं बल्कि इन सबसे खुद को अलग करते पटना में बैठे नीतीश कुमार भी दोबारा सक्रिय हुए। मंगलवार को दिल्ली आकर पहले वह ंद्व नेता लालू प्रसाद से मिले और बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बात की। इस बीच, शरद पवार का यह महत्वपूर्ण बयान भी आ गया कि व्झ्ण जांच की मांग से असहमत होते हुए भी बाकी दलों के रुख के मद्देनजर ण्झ इसका विरोध नहीं करेगी। ये सब इस बात के संकेत हैं कि अगर कोई नई बाधा नहीं आई तो विपक्षी दलों के बीच एकजुटता को लेकर मोटी सहमति बन जाएगी और ज्यादा बारीक पहलुओं पर बातचीत आगे चलती रहेगी। मगर भूलना नहीं चाहिए कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव और इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से तीन राज्यों में अभी कांग्रेस की सरकार है। कर्नाटक के साथ अगर इन राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन बढ़िया रहता है तो विपक्षी दलों की एकता में उसकी बड़ी भूमिका सुनिश्चित हो सकती है।

यूपी निकाय चुनाव में सपा से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार उतार कर बसपा ने चल दिया है बड़ा दाँव

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए चुनावी बिसात बिछ गई है। साल के भीतर होने वाले लोकसभा चुनाव से पूर्व निकाय चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रदर्शन काफी कुछ सियासी संकेत देगा। यह सही है कि नगर निगम चुनाव और लोकसभा चुनाव की परिस्थितियां और मुद्दे बिल्कुल अलग-अलग होते हैं, लेकिन जो दल इन चुनावों में बढ़त बनाने में सफल रहेगा वह सियासी 'माइंड गेम' के सहारे वोटरों पर काफी हद तक मनोवैज्ञानिक दबाव डालने में सफल रहेगा। वैसे तो कई निकाय चुनावों में बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच ही मुख्य मुकाबला देखने को मिलता था, लेकिन इस बार बहुजन समाज पार्टी ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशियों को उतार कर समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की जबर्दस्त तैयारी की है, जबकि एक समय वह भी था जब बसपा निकाय चुनाव अपने सिम्बल तक पर नहीं लड़ती थी, परंतु इस बार उसने निकाय चुनाव में दबदबा बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।

बसपा ने ऐसा दांव चला है जिसने बीजेपी और खास तौर पर सपा के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। समाजवादी पार्टी यादव-मुस्लिमों के मजबूत वोट बैंक के सहारे चुनाव लड़ती और जीतती है, लेकिन बीएसपी इसमें से मुस्लिम वोटों पर अक्सर डोरे डालने में कामयाब हो जाती है। यही काम बसपा इस बार भी जोरशोर से करने जा रही है। प्रथम चरण के चुनाव जो 04 मई को होने हैं, उसमें बसपा 60 प्रतिशत मुस्लिम उम्मीदवारों पर दांव लगाकर सपा की राह में कांटे खड़े कर सकती है। हालांकि बसपाई इससे इंकार करते हैं। कहते हैं, कि मुस्लिमों ने सपा के साथ रह कर देख लिया है। कुछ हासिल नहीं हुआ, इसलिए वह बसपा की तरफ आ गया है। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा के उप-चुनाव में यह बात साबित भी हो चुकी थी। आजमगढ़ में बसपा ने अच्छे खासे मुस्लिम वोट पाए थे, भले ही बसपा जीत नहीं पाई थी, लेकिन सपा को भी हार का सामना करना पड़ा था। जानकार भी कह रहे हैं कि बसपा का समीकरण ही सबसे हिट है। नगर निकाय चुनाव में बसपा ने पहले चरण में महापौर पद के लिए 60 प्रतिशत टिकट मुस्लिम उम्मीदवारों को दिए हैं। नामांकन पत्र भरने का 17 अप्रैल को अंतिम दिन था। इस दिन बड़ी संख्या में पर्चे भरे गए। 10 नगर निगमों में महापौर पद के लिए आखिरी दिन 93 उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किए, जबकि पार्षद पद पर 4,092 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरे। इसके बाद यह साफ हो गया कि बसपा ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी मंशा स्पष्ट जता दी है कि वह मुस्लिम-दलित समीकरण पर मजबूती से काम करेंगी। पार्टी को उम्मीद है कि यदि दलित और मुस्लिम वोटर साथ आ गए तो कई सीटों पर बसपा की नैया पार लग सकती है। तमाम सीटों पर मंथन के बाद बसपा ने पहले चरण के नामांकन पत्र भरने के अंतिम दिन महापौर पद के प्रत्याशियों की सूची जारी की। जानकारी के मुताबिक, सूची भले ही 17 अप्रैल को जारी की गई हो, पर इनमें से कुछ उम्मीदवारों ने पहले ही सिंबल लेकर नामांकन पत्र भर दिए थे।

पहले चरण में दस सीटों पर महापौर पद के लिए चुनाव होगा। बसपा ने दस में से छह मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारकर अपना गणित साफ कर दिया है। इन छह सीटों पर तो पूरा फोकस दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर ही रहने वाला है। बसपा थिंक टैंक की मंशा है कि मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर उसका और सपा का मुकाबला कड़ा हो जाए। पिछले चुनाव की बात करें तो उक्त दस नगर निगमों में महापौर पद के लिए हुए चुनाव में बसपा मात्र तीन स्थानों पर ही मुख्य मुकाबले में दिखी थी। केवल आगरा, झांसी और सहारनपुर में बसपा उम्मीदवार पिछले साल दूसरे स्थान पर रहे थे। सात मुकाबलों में बसपा उम्मीदवार सीधी टक्कर में ही नहीं थे। खास तौर पर जिन छह निगमों में इस बार बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं उनमें से चार में पिछली बार बसपा उम्मीदवार टॉप तीन में भी जगह नहीं बना सके थे। फिरोजाबाद, प्रयागराज, मुरादाबाद व वाराणसी में बसपा तीसरे स्थान तक भी ठहर नहीं सकी थी। बसपा के दस निगमों के उम्मीदवारों में आगरा से लता, मथुरा से राजा मोहतासिम अहमद, फिरोजाबाद से रुखसाना बेगम, झांसी से भगवान दास फुले, सहारनपुर से खादिजा मसूद, लखनऊ से शाहीन बानो, वाराणसी से सुभाष चंद्र माझी, प्रयागराज से सईद अहमद, मुरादाबाद से मोहम्मद यामीन और गोरखपुर से नवल किशोर नाथानी शामिल हैं।

उधर, बीजेपी इस बार भी मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारने के लिए आगे नहीं आई। उसके द्वारा जारी लिस्ट में गोरखपुर से डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, प्रयागराज से उमेश चंद्र तो वहीं पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से अशोक तिवारी को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया गया है। फिरोजाबाद से पार्टी ने कामिनी राठौर, आगरा से हेमलता दिवाकर, लखनऊ से सुषमा खरकवाल को उम्मीदवार बनाया गया है। सहारनपुर से डॉ. अजय कुमार को, मथुरा-वृन्दावन से विनोद अग्रवाल को, झांसी से चतुर्भज आर्य को बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने कई मौजूदा मेयरों के टिकट काटकर नए चेहरों पर दांव लगाया है और जातीय समीकरण का भी ख्याल रखा है। पार्टी ने दस में से 6 कैंडिडेट सवर्ण समुदाय से उतारे हैं तो दलित और ओबीसी को सिर्फ उनके लिए आरक्षित सीटों से उतारा है। पार्टी ने अपने कोर वोट बैंक और शहर के सियासी समीकरण को देखते हुए सवर्ण समुदाय पर ही सबसे बड़ा भरोसा जताया है। बीजेपी ने अपने ज्यादातर मौजूदा मेयरों को टिकट नहीं दिए हैं और उनकी जगह पर नए चेहरों को उतारा है और संगठन से जुड़े पुराने व वफादार नेताओं को तवज्जो दी है। ऐसे में देखना है कि अब बीजेपी क्या अपना पुराना प्रदर्शन दोहरा पाएगी? इससे पहले समाजवादी पार्टी ने लखनऊ सहित आठ जिलों के लिए मेयर पद के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी थी। सपा ने लखनऊ से वंदना मिश्रा को मेयर प्रत्याशी बनाया है। इसी तरह गोरखपुर से काजल निषाद, प्रयागराज से अजय श्रीवास्तव, झांसी से रघुवीर चौधरी, मेरठ से सीमा प्रधान, शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा, फिरोजाबाद से मशहूर फातिमा और अयोध्या सीट से आशीष पांडेय को मेयर उम्मीदवार बनाया है।

सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़ रहे कश्मीर का इतिहास और भूगोल, दोनों ही जानबूझकर बदले गये

प्रह्लाद सबनानी

अतिप्राचीन भारत में कैलाश पर्वत के आसपास भगवान शिव के गणों की सत्ता थी। उक्त इलाके में ही दक्ष राजा का भी साम्राज्य था। ऐसा माना जाता है कि कश्यप ऋषि कश्मीर के पहले राजा थे। कश्मीर को उन्होंने अपने सपनों का राज्य बनाया था और कश्यप ऋषि के नाम पर ही कश्यप सागर (कैस्पियन सागर) और कश्मीर का प्राचीन नाम पड़ा था। शोधकर्ताओं के अनुसार कैस्पियन सागर से लेकर कश्मीर तक ऋषि कश्यप के कुल के लोगों का राज फैला हुआ था। कश्यप की एक पत्नी कद्रू के गर्भ से नागों की उत्पत्ति हुई जिनमें प्रमुख 8 नाग थे- अनंत (शेष), वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख और कुलिक। इन्हीं से नागवंश की स्थापना हुई। आज भी कश्मीर में इन नागों के नाम पर ही कई स्थानों के नाम हैं। कश्मीर का अनंतनाग नागवंशियों की राजधानी हुआ करता था। हाल में अखनूर से प्राप्त हड़प्पा कालीन अवशेषों तथा मौर्य, कुषाण और गुप्त काल की कलाकृतियों से जम्मू के प्राचीन इतिहास का पता चलता है। 1184 ईसा पूर्व के राजा गोनंद से लेकर राजा विजय सिम्हा (1129 ईसवी) तक के कश्मीर के प्राचीन राजवंशों और राजाओं के प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र पहले हिन्दू शासकों और फिर बाद में मुस्लिम सुल्तानों के अधीन रहा। बाद में यह क्षेत्र अकबर के शासन में मुगल साम्राज्य का हिस्सा बन गया। वर्ष 1756 से अफगान शासन के बाद वर्ष 1819 में यह क्षेत्र पंजाब के सिख साम्राज्य के अधीन हो गया था। जब भारत को अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई तब धर्म के नाम पर भारत के एक बड़े भूभाग को अलग कर पाकिस्तान बना दिया गया था। उस समय भी जम्मू, कश्मीर और लद्दाख ये तीनों अलग-अलग क्षेत्र थे और यह तीनों क्षेत्र एक ही राजा के अधीन थे तथा 26 अक्टूबर 1947 को इस क्षेत्र के शासक महाराज हरी सिंह ने अपने क्षेत्र के भारतीय संघ में विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विभाजन की इस त्रासदी के समय भी पाकिस्तानी सेना ने कबाईलियों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर इसके बहुत बड़े भू भाग पर कब्जा कर लिया था। इस आक्रमण का भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब देते हुए कब्जा मुक्ति का अभियान बहुत सफलतापूर्वक चला रही थी लेकिन बीच में ही तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी जिसके कारण लगभग आधा जम्मू-कश्मीर आज भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। यह तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल मानी जाती है, जिसके चलते यह क्षेत्र पिछले लगभग 70 वर्षों तक अशांत क्षेत्र बना रहा है। हालांकि कश्मीर सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़ रहा है परंतु कश्मीर का इतिहास और भूगोल दोनों ही बदल दिए गए हैं।

हमें ऐसा आभास कराया जाता है कि कश्मीर क्षेत्र इस्लाम के कब्जे के क्षेत्र रहा है।

तत्कालीन नेहरू सरकार की जम्मू-कश्मीर से सम्बंधित दूसरी सबसे बड़ी गलती थी राज्य में धारा 370 लागू करवाना। इस धारा के अंतर्गत केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू-कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू-कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता है, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती थी, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती है, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था?

कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, नागरिकों के हितार्थ पूरे देश में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था एवं इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के चलते कोई भी उद्योगपति अपना निवेश इस क्षेत्र में करने को तैयार ही नहीं होता था। इस क्षेत्र के नागरिकों को लाभ पहुंचाने, इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने एवं आतंकवाद को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से दिनांक 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को खास दर्जा देने वाली धारा 370 को कानूनी रूप से खत्म कर दिया था। इसके बाद से वहां कई बदलाव दृष्टिगोचर हैं। अब केंद्र के समस्त कानूनों एवं अन्य कई आर्थिक योजनाओं को वहां लागू कर दिया गया है इससे आम नागरिकों को बहुत सुविधा एवं लाभ हुआ है। आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। आतंकवादियों की कमर तोड़ दी गई है। हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में जिस तरह इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उससे राज्य में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हुआ है और कैलेंडर वर्ष 2022 में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 26 लाख से अधिक पर्यटक वहां पहुंचे हैं। भारत की आजादी के बाद से वर्ष 2019 तक जम्मू-कश्मीर में तकरीबन 14,700 करोड़ रुपए का निवेश हो पाया था, जबकि पिछले केवल 3 वर्षों में यह चार गुना बढ़कर 56,000 करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है। स्वास्थ्य से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विकास हो रहा है। 2 नए एम्स, 7 नए मेडिकल कॉलेज, 2 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और 15 नर्सिंग कॉलेज खुलने जा रहे हैं। इस सबसे स्थानीय नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

यह अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं बल्कि कर्तव्यबोध से भरा भारत है

प्रो. संजय द्विवेदी

आजादी के अमृत महोत्सव से अमृतकाल की यात्रा में देश आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह आत्मविश्वास 2014 के बाद हर भारतवासी में आया है जो कुछ समय पहले तक अवसाद और निराशा से घिरा था। भरोसा जगाने वाला यह समय हमें जगा कर कुछ कह गया और लोग राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका को रेखांकित और पुर्नपारिभाषित करने लगे। 'इस देश का कुछ नहीं हो सकता' से 'यह देश सब कुछ कर सकता है' तक हम पहुंचे हैं। यह साधारण नहीं है कि कल तक राजनीतिक-प्रशासनिक जड़ता, निर्णयहीनता, नकारात्मक राजनीति और अवसाद से घिरा भारत अवसरों के जनतंत्र में बदलता दिख रहा है। यह आकांक्षावान भारत है, उम्मीदों से घिरा भारत है, अपने सपनों की ओर दौड़ लगाता भारत है। लक्ष्यनिष्ठ भारत है, कर्तव्यनिष्ठ भारत है। यह सिर्फ अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं बल्कि कर्तव्यबोध से भरा भारत है।

ये वक्त हमारा है- सही मायनों में यह भारत का समय है। भारत में बैठकर शायद कम महसूस हो किंतु दुनिया के ताकतवर देशों में जाकर भारत की शक्ति और उसके बारे में की जा रही बातें महसूसी जा सकती हैं। सांप-संपेरों के देश की कहानियां अब पुरानी बातें हैं। भारत पांचवीं बड़ी आर्थिक ताकत के रूप में विश्व मंच पर अपनी गाथा स्वयं कह रहा है। अर्थव्यवस्था,भू-राजनीति, कूटनीति, डिजिटलीकरण से लेकर मनोरंजन के मंच पर सफलता की कहानियां कह रहा है। सबसे ज्यादा आबादी के साथ हम सर्वाधिक संभावनाओं वाले देश भी बन गए हैं, जिसकी क्षमताओं का दोहन होना अभी शेष है। भारत के 1 अरब लोग नौजवान यानि 35 साल से कम आयु के हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, जलवायु परिवर्तन के लिए किए जा प्रयासों, कोविड के विरुद्ध जुटाई गई व्यवस्थाएं, जी-20 के अध्यक्ष के नाते मिले अवसर, जीवंत लोकतंत्र, स्वतंत्र मीडिया हमें खास बनाते हैं। चुनौतियों से जूझने की क्षमता भारत दिखा चुका है। संकटों से पार पाने की संकल्प शक्ति वह व्यक्त कर चुका है। अब बात है उसके सर्वश्रेष्ठ होने की। अव्वल होने की। दुनिया को कुछ देने की।

नए भारत के शिल्पकार- निश्चित यह सब कुछ इतना आसान नहीं था। नौकरशाही की जड़ता, राजनीति के सीमित पांच साला लक्ष्य, समाज में फैली गैरबराबरी और असमानता, क्षेत्रीयता,जातीयता की भावनाओं में बंटा समाज लक्ष्यों में बाधक था और आज भी कमोबेश ये संकट बने हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय मंच पर आगमन के साथ सारा कुछ बदल गया है। आम आदमी सरकारी प्रयासों के साथ देश के व्यापक लोकतंत्रीकरण में सहायक बना है। भारत सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ साफ्ट पावर में भी अग्रणी बना है। स्थान-स्थान पर भारतीय प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें सम्मानित करने का क्रम भी जारी है जिससे भारत की आत्मा जाग रही है। आप पिछले कुछ सालों में पद्म सम्मानों की सूची का अवलोकन करें तो आपका मन गर्व से भर जाएगा और एक नए भारत को बनता हुआ देख पाएंगें। दिल्ली से निकल देश की संभावनाएं छोटे शहरों और गांवों तक ले जाने के व्यापक प्रयास सब तरफ दिखने लगे हैं। छोटे शहर अपनी संभावनाओं को तलाश रहे हैं, गांव संसाधनों का केंद्र बनने के लिए व्यग्र हैं। नीतिगत फैसलों में गति लाकर देश का चेहरा बदलने के ये प्रयास साधारण नहीं हैं। प्रधानमंत्री इस परिघटना को बहुत उम्मीद से देखते हैं। श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि- ''भारत ने आज जो कुछ हासिल किया है, वह हमारे लोकतंत्र की ताकत, हमारे संस्थानों की ताकत की वजह से संभव हो पाया है। दुनिया देख सकती है कि भारत में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुयी सरकार निर्णायक फैसले ले रही है। हमने दुनिया को दिखा दिया है लोकतंत्र कितना फलदायी हो सकता है।'

नीयत से बदलती नीतियां- परिर्वतन को रोका नहीं जा सकता। यह नैसर्गिक है। किंतु परिर्वतन या बदलाव की दिशा जरूर तय की जा सकती है। सकारात्मक दृष्टिकोण से किए गए काम हमेशा परिणाम देते हैं और उनसे समाज को दिशा मिलती है। बहुत पुरातन और गौरवशाली राष्ट्र होने के बाद भी हमें अपनी कमियों से लगातार आक्रमण, गुलामी और संघर्ष का समय देखना पड़ा। बावजूद इसके 'चिति' स्वतंत्र रही। राज और समाज की दूरी ने समाज के आत्मसम्मान और स्वाभिमान को चुकने नहीं दिया। अत्याचार और विदेशी शासकों के दमन के विरूद्ध भारत का संघर्ष जारी रहा। 1947 के बाद स्वदेशी, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, भारतीय भाषाओं और भारतीय जन के सम्मान का जो समय प्रारंभ होना था वह नहीं हो पाया। लोकसेवक, जनसेवक शासक बन बैठे और उनकी मानसिकता वही थी, जो विरासत में मिली थी। इसने देश के स्वाभिमान को जगने नहीं दिया। लंबे समय के बाद अच्छे काम पर भरोसा करते हुए जनमानस का जागरण हुआ है। अपने वर्तमान नेतृत्व के प्रति समाज का असंदिग्ध विश्वास है और उनकी क्षमताओं पर नाज। आजादी के बाद हर सरकार और उसके प्रधान ने निश्चित ही कुछ जोड़ा है। देश ने प्रगति और विकास के नए सोपान तय किए हैं। किंतु भ्रष्टाचार, दिशाहीनता, राजनीतिक निर्णयों में हानि-लाभ के विचार ने उसके संपूर्ण लाभ से वंचित किया। सामान्य जन के विकास योजनाओं के एक रुपए में पचासी पैसे के डूब जाने की कहानियां हमने खूब सुनी हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री की विवशता भी प्रकट होती है कि वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि भ्रष्टाचार का घुन अंदर तक प्रवेश कर चुका है। डिजिटलीकरण ने इस पर न सिर्फ अंकुश लगाया है, वरन लोगों को राहत दी है। सुशासन के लक्ष्य इसी पारदर्शिता से पाए जा सकते हैं। 2015 से 2017 के बीच 50 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं। भारत आज यूरोप और अमेरीका की तुलना में 11 गुना ज्यादा डिजिटल पेमेंट करता है। आयुष्मान भारत ने 31 करोड़ भारतीयों के लिए मुफ्त कैंसर जांच की व्यवस्था सुनिश्चित की है। यह एक साधारण आंकड़ा भर नहीं है। नई व्यवस्था में स्वयं सहायता समूहों में लगभग 9 करोड़ महिलाओं को 32 अरब डालर (2.6 लाख करोड़ रूपए) की उधार सुविधा दी जा रही है। ऐसे अनेक उदाहरण हमें गर्व से भर देते हैं। इसी संदर्भ में गृहमंत्री अमित शाह कहते हैं- '2014 के पहले देश के 60 करोड़ लोग सपना नहीं देख सकते थे। मोदीजी ने उनके जीवन में उम्मीद जगाई है और उनमें महत्वाकांक्षाएं पैदा की हैं। भारत जब आजादी का शताब्दी उत्सव मना रहा होगा तो वह हर क्षेत्र में नंबर-1 होगा।'

उम्मीदें जगाता नया भारत- नया भारत अपने सपनों में रंग भरने के लिए चल पड़ा है। भारत सरकार की विकास योजनाओं और उसके संकल्पों का चतुर्दिक असर दिखने लगा है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक उत्साह से भरे हिंदुस्तानी दिखने लगे हैं। जाति, पंथ, भाषावाद, क्षेत्रीयता की बाधाओं को तोड़ता नया भारत बुलंदियों की ओर है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत की सुनें तो '2070 तक हम बाकी दुनिया को 20-30 प्रतिशत वर्कफोर्स उपलब्ध करवा सकते हैं और यह बड़ा मौका है।' ऐसे अनेक विचार भारत की संभावनों को बता रहे हैं। अपनी अनेक जटिल समस्याओं से जूझता, उनके समाधान खोजता भारत अपना पुनर्अविष्कार कर रहा है। जड़ों से जुड़े रहकर भी वह वैश्विक बनना चाहता है। उसकी सोच और यात्रा ग्लोबल नागरिक गढ़ने की है। यह वैश्चिक चेतना ही उसे समावेशी, सरोकारी, आत्मीय और लोकतांत्रिक बना रही है। लोगों का स्वीकार और उनके सुख का विस्तार भारत की संस्कृति रही है। वह अतिथि देवो भवः को मानता है और आंक्राताओं का प्रतिकार भी करना चाहता है। अपनी परंपरा से जुड़कर वैश्विक सुख, शांति और साफ्टपावर का केंद्र भी बनना चाहता है। हमारे प्रधानमंत्री इसीलिए भरोसे से यह कह पाते हैं कि 'यह युद्ध का समय नहीं है।' यह समय देश की रचनात्मकता, विश्वसनीयता और क्षमता को प्रकट करने वाला है। यही समय भारत का भी है और भारतबोध का भी।

संक्षिप्त समाचार

व्यक्ति की हत्या करने और शव के टुकड़े करने के आरोप में दंपती गिरफ्तार

जमशेदपुर। ओडिशा के रायरंगपुर की एक पुलिस टीम ने सोमवार को 38-वर्षीय उस व्यक्ति के शव के कुछ टुकड़े बरामद किये, जिसकी एक दंपती ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी तथा उसके शव के कई टुकड़े कर दिये थे। उन्होंने बताया कि आरोपी खुशबू सागर और उसके पति कमल कांत सागर ने विक्की की हत्या की थी और शव के टुकड़ों को पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा और कमलपुर समेत अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगा दिया था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी दंपती द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, निरीक्षक स्वर्णलता मिंज के नेतृत्व में रायरंगपुर टाउन मॉडल थाना की एक टीम ने पटमदा और कमालपुर थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिंह और धिरंजन कुमार के साथ मिलकर विक्की के शव के कुछ टुकड़े बरामद किये।

युवा शक्ति भारत के विकास को आगे ले जाने वाली ताकत : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि युवा शक्ति भारत की विकास यात्रा को आगे ले जाने वाली ताकत है क्योंकि युवाओं ने देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी ने कहा कि एक जमाने में भारत 'फ्रेजाइल फाइव' (पांच कमजोर) देशों में से एक था। उन्होंने यहां 'युवम 2023' सम्मेलन में कहा, 'आज हालांकि भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में जाना जाता है।

तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

सुलतानपुर। जिले में गोसाईगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में दो मासूम सगी बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गोसाईगंज के थानाध्यक्ष राघवेन्द्र रावत ने मंगलवार को बताया कि वासुपुर गांव में अजय कुमार दुबे की दो पुत्रियां खेल रही थीं और वे खेलते-खेलते घर के सामने तालाब के पास पहुंच गईं।

रावत ने बताया कि श्रीयांशी (पांच) एवं प्रियांशी (तीन) नाम की ये दोनों बहनें अचानक तालाब में गिर गईं, जिससे दोनों की डूबने मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष समेत पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

सीएम योगी आदित्यनाथ देंगे भाजपा के प्रचार को धार, आज से करेंगे अपने अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने अभियान को तेज कर दिया है। इस सप्ताह कई बड़े राष्ट्रीय नेताओं का कर्नाटक दौरा होने वाला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को राज्य में अपनी पहली रैली को संबोधित करेंगे। जानकारी के मुताबिक वह 26 अप्रैल को राज्य की अपनी यात्रा के दौरान मांड्या और विजयपुरा में प्रचार करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह 8 बजे लखनऊ से रवाना होंगे और बुधवार सुबह 10:30 बजे मैसूर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से मांड्या पहुंचेंगे, जहां वह पार्टी उम्मीदवार अशोक जयराम के लिए एक मेगा रैली को संबोधित करेंगे।

रैली के बाद योगी हेलीकॉप्टर से मैसूर एयरपोर्ट लौटेंगे और वहां से विशेष विमान से हुबली के लिए रवाना होंगे। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एक हेलिकॉप्टर से विजयपुरा जिले के बसवनबागवाड़ी पहुंचेंगे। वह जिले के बसवेश्वर मंदिर जाएंगे। दोपहर 3 बजे वह पार्टी उम्मीदवार एसके बेलुब्बी के लिए बसवनबागेवाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ की प्रचार में मांग खूब है और वह भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने के लिए 26 और 30 अप्रैल को कर्नाटक जाएंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जो कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल थे।

शाम 4:10 बजे, आदित्यनाथ विजयपुरा जिले के इंडी की यात्रा करेंगे, जहां वह पार्टी उम्मीदवार कासगौड़ा बिरादर के लिए एक अन्य सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह महाराष्ट्र के सोलापुर हवाईअड्डे जाएंगे, जहां से यूपी के मुख्यमंत्री लखनऊ लौट आएंगे। सूत्रों ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार से शुरू होने वाले बेलागवी और बागलकोट जिलों से आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के अभियान में शामिल होंगे।

कांग्रेस पार्टी ने राबर्ट्सगंज नगर पालिका परिषद सीट के लिए उषा देवी को उतारा मैदान मे

आधुनिक समाचार सेवा
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र/कांग्रेस पार्टी ने नगर पालिका परिषद सोनभद्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उषा देवी पत्नी हरिश्चंद सोनकर का नामांकन कांग्रेस पार्टी की अधिकृत उम्मीदवार के रूप में किया गया, रॉबर्ट्सगंज नगर में साई मैरिज हाल धर्मशाला रोड से उषा देवी अपने समर्थकों के साथ सर्वप्रथम मुख्य चौराहा शीतला मंदिर पर पहुंचकर वहां माता सीतला के दर्शन की, तत्पश्चात नगर भ्रमण करते हुए तहसील पहुंचकर वहां पर नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रेस को दिये गये वक्तव्य मे उषा देवी ने कहा कि रॉबर्ट्सगंज नगर की मौजूदा स्थिति जो है वह किसी से छिपी नहीं है जहां एक और पानी की समस्या है वहीं दूसरी ओर पानी निकासी की भी बहुत बड़ी समस्या है, आए दिन नगर के अंदर जाम लगा रहता है, सफाई की व्यवस्था बहुत ही खराब है, जगह-जगह अभी तक सड़कें भी नहीं बन पाई हैं ,ना ही ठीक से साफ हो पा रही हैं अगर मौका मिलेगा तो जीतने के बाद इन सारी चीजों पर काम किया जाएगा और एक अच्छा नगर बनाने का प्रयास हमारा रहेगा। जिला शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती है और हमेशा से आम जनमानस की समस्याओं को उठाती रहती है नगर का विकास कांग्रेश से संभव है, पीसीसी सदस्य फरीद खान ने कहा कि सभी लोगों के साथ मिलकर नगर का विकास किया जाएगा और आदमी आम जनमानस को ध्यान में रखकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि कहा कि व्यापारी, नौजवान की समस्याओं का भी हल निकालने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी, चाहे वह स्टैंड का मामला हो, तारों का जंजाल जो फैला हुआ है उसको सही कराने का मामला हो ,सहीकरने का काम करेगी।जिला उपाध्यक्ष जगदीश मिश्रा ने कहा कि कांग्रेसी प्रत्याशी उषा देवी वह हर समस्याओं को समझती जानती हैं उन सब को हल करने का काम करेगी ।आज वार्ड सभासद के देवेंद्र शर्मा, मुणी देवी, माला श्रीवास्तव, राजा यादव मनोज चौबे सहित 13 लोगों ने नामांकन किया ट मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी रमेश देव पांडे, प्रदेश सचिव कमलेश ओझा ,ज.म.म. जितेंद्र पासवान, शुसील पाठक गोपाल पाठक,राघवेन्द्र नारायण, उषा चौबे,सोनी गुप्ता,प्रदीप चौबे,राहुल केशरी, दीपू पांडे, मनोज मिश्रा, ओम प्रकाश भारती, सत्युंजय मिश्रा, सूरज वर्मा,शीतल गोड़, बंशीधर पांडे ,निगम मिश्रा, सनी शुक्ला,उपस्थित रहे।

पाक के स्वात में पुलिस स्टेशन पर बड़ा आतंकी हमला, 9 पुलिस अधिकारी समेत 16 की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। स्वात के कबाल पुलिस थाने में हुए दोहरे विस्फोट में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 16 हो गई। विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) कार्यालय के परिसर में दो विस्फोट हुए। उपायुक्त स्वात के कार्यालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा कि कबाल पुलिस लाइंस के अंदर सीटीडी पुलिस स्टेशन के अंदर 8:29 बजे लगातार दो विस्फोट हुए। पुलिस स्टेशन, सीटीडी कार्यालय और स्टेशन के अंदर स्थित एक मस्जिद की छत को तोड़ देने वाले विस्फोटों के बाद भी आग लग गई। केपी पुलिस के अनुसार, मरने वालों में नौ पुलिस अधिकारी थे और छह नागरिक थे, जबकि अन्य की पहचान अभी भी की जा रही है। मृतकों की पहचान उप-निरीक्षक (एसआई) अब्दुल्ला खान, एसआई अशरफ अली, सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) सीटीडी शेर आलम, कांस्टेबल ताज मुहम्मद, अस्मत अली, खलीलुर रहमान, बख्त रोखन, फ़ज़ल रज़ीक; नाहिद और 2 साल की अज़ान के रूप में की गई।

बोम्मई सरकार ने आपको लूटा, बोलीं प्रियंका, भाजपा ने अपने धनबल से पलट दी जेडीएस-कांग्रेस की सरकार

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव करीब है, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा 25 और 26 अप्रैल को राज्य में पार्टी के प्रचार में शामिल होने के लिए यहां पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कर्नाटक के मैसूर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'सेवा' सत्ता में सरकार का 'धर्म' है। पिछले चुनाव में कर्नाटक के लोगों ने कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन को वोट दिया था। हालांकि, भाजपा ने अपने धनबल से जनाकांक्षा को पलट दिया। पिछले कुछ वर्षों में, केंद्र ने राज्य को धन के प्रवाह को कम कर दिया। आपके मुख्यमंत्री बदलते रहे, नए मंत्रीमंडल भी बनते रहे। इससे भी ज्यादा दुख की बात यह है कि बोम्मई सरकार ने आपको लूटा। वे 40इ सरकार चलाते हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यहां कुछ सालों पहले जो सरकार बनी वो शुरु से ही आपके भरोसे पर नहीं बनी। पिछले चुनाव में आपने कांग्रेस और जेडीएस की सरकार चुनी थी और गलत तरीकों से, पैसों के इस्तेमाल से भाजपा ने उस सरकार को तोड़कर ये सरकार बनाई है। इस सरकार का जो मूल था वो शुरु से ही गलत था। भाजपा ने कोविड-19 राहत कोष या स्कूली बच्चों के मध्याह्न भोजन को भी नहीं बख्शा। वे 1000 एम्स अस्पताल, हजारों स्मार्ट क्लासरूम, 750 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल लाइन और क्या नहीं बना सकते थे।

प्रियंका गांधी ने कहा कि राज्य सरकार में हजारों पद खाली पड़े हैं। धन और नौकरियां आपकी हैं। बीजेपी कुछ भी हिसाब नहीं दे पा रही है। उन्होंने आरक्षण के बारे में भी झूठ बोला है। वे दिल्ली में सत्ता में हैं, उन्होंने कर्नाटक के लोगों के लिए आरक्षण कोटा नहीं बढ़ाया

अब चीन को सबसे बड़े सैन्य खतरे के रूप में देखते हैं भारतीय : रो खन्ना

वाशिंगटन। प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य रो खन्ना ने कहा कि भारतीय अब चीन को अपने सबसे बड़े सैन्य खतरे के रूप में देखते हैं न कि पाकिस्तान को और उन्होंने बीजिंग के साथ रचनात्मक तरीके से पुनः संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत और चीन के बीच मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों ने इस गतिरोध को हल करने के लिए उच्च स्तरीय सैन्य कमांडर स्तर की 17 दौर की वार्ता की हैं। भारत ने कहा है कि सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम होने तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। खन्ना ने प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड्स हूवर इंस्टीट्यूशन में विदेश नीति पर भाषण में कहा, "आज, हमें चीन के साथ रचनात्मक तरीके से पुनः संतुलन बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें अपने खतरों और एशिया में अपने सहयोगियों के बारे में स्पष्ट तौर पर पता होना चाहिए

लेकिन हमें उम्मीद है कि हमारी कूटनीति और राजनीति 21वीं सदी को 20वीं सदी के मुकाबले कम रक्तरंजित बना सकती है।" उन्होंने कहा, "चीन के साथ रचनात्मक तरीके से पुनः संतुलन बनाने के लिए चार मार्गदर्शक सिद्धांत है : पहला, व्यापार घाटे तथा तनाव को कम करने के लिए आर्थिक पुनः नियोजन, दूसरा : संचार के खुले रास्ते, तीसरा : प्रभावी सैन्य प्रतिरोध और चौथा : हमारे एशियाई साझेदारों के लिए सम्मान तथा दुनिया के साथ मजबूत आर्थिक भागीदारी।" अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करने वाले 46 वर्षीय खन्ना ने कहा कि अमेरिका को भारत तथा अन्य एशियाई साझेदारों के साथ गठबंधन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, "जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ ही क्वाड में भारत की भागीदारी यह सुनिश्चित करने के लिए अहम है कि हमारे साझेदार एशिया में चीन को आधिपत्य जमाने से रोकने के लिए एक साथ मिलकर काम करें। पश्चिमी उपनिवेशवाद के बाद 1950 में चीन और भारत ने एशिया को उभरते देखने की साझा आकांक्षा जतायी थी। लेकिन चीन के साथ सहयोग की नेहरू की दूरदृष्टि में खटास आ गयी थी।" खन्ना ने कहा, "द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अपनी रक्षा का निर्माण करने में संकोच करने वाले देश जापान ने भी अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा सामग्री के निर्माण में ऐतिहासिक कदम उठाए।

मैंने कुछ बेकार की टिप्पणियां सुनीं... यूएनएससी में पाकिस्तान ने अलापा कश्मीर राग तो भारत ने दिया करारा जवाब

संयुक्तराष्ट्र। भारत ने यहां सुरक्षा परिषद की बैठक में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद पाकिस्तान पर निशाना साधा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी राजदूत रुचिरा कंबोज ने जोर देकर कहा कि वह इस तरह की 'शरारतपूर्ण' टिप्पणियों का जवाब देकर परिषद का समय बर्बाद नहीं करेंगी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव बहस की अध्यक्षता कर रहे थे, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने अपने बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया। काम्बोज ने कहा कि इस प्रतिष्ठित मंच ने आज एक स्थायी प्रतिनिधि द्वारा कुछ शरारत भरी टिप्पणियों को सुना है जो विशुद्ध रूप से अज्ञानता और विऔपनिवेशीकरण के बुनियादी तथ्यों पर समझ की कमी के कारण उत्पन्न

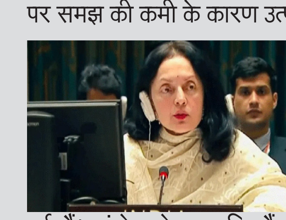

हुई हैं। कंबोज ने कहा कि मैं उन टिप्पणियों का जवाब देने में इस परिषद का समय बर्बाद नहीं करूँगा। उस प्रतिनिधिमंडल को हमारी सलाह है कि कृपया हमारे उत्तर के कई अधिकारों का उल्लेख करें जो हमने अतीत में व्यक्त किए हैं। पाकिस्तान लगातार संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों पर कश्मीर के मुद्दे को उठाता है, भले ही बैठकों में एजेंडा और चर्चा का विषय कुछ भी हो। नई दिल्ली द्वारा 5 अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। भारत के फैसले ने पाकिस्तान से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया और भारतीय दूत को निष्कासित कर दिया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्पष्ट रूप से कहा है कि धारा 370 को खत्म करना उसका आंतरिक मामला है।

थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा फर्जी रिलिज आर्डर तैयार कर वाहनों को छुड़ाने के मामले में वांछित 01 नफर शातिर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 24.04.2023 को थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा 1.मु0अ0सं0-26/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र, 2.मु0अ0सं0-72/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र, 3.मु0अ0सं0-75/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र, 4.मु0अ0सं0-101/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना बभनी जनपद सोनभद्र, 5.मु0अ0सं0-180/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना चोपन जनपद सोनभद्र में वाछिंत चल रहे 01 नफर अभियुक्त अशोक सिंह पुत्र स्व0 कृपा शंकर सिंह, निवासी देवरा, थाना चकरघट्टा, जनपद चन्दौली, हालपता विजपई थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 46 वर्ष को रनटोला रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गयी ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः- अशोक सिंह पुत्र स्व0 कृपा शंकर सिंह, निवासी देवरा, थाना चकरघट्टा, जनपद चन्दौली, हालपता विजपई थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 46 वर्ष।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0-26/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र । 2. मु0अ0सं0-72/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र। 3. मु0अ0सं0-75/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 4. मु0अ0सं0-101/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 5. मु0अ0सं0-180/2022 धारा-419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भा0द0वि0 थाना चोपन जनपद सोनभद्र। **पुलिस टीम का विवरण-** 1. प्रभारी निरीक्षक अविनाश कुमार सिंह थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 प्रदीप कुमार थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 4. का0 प्रदीप कुमार मौर्या थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 5. का0 सुधाकर सिंह थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र ।

थाना विण्ढमगंज अंतर्गत 14 वर्ष की नाबालिग बालिका व बालक की किया जा रहा था शादी जिसे तत्काल लिए संज्ञान-राजेश कुमार खैरवार

दो सगे नाबालिग भाई बहन की अलग अलग रचाई जा रही थी शादी

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। थाना विण्ढमगंज अन्तर्गत ग्राम केवाल में एक ही पिता के दो नाबालिग बालिका व बालक उम्र क्रमशः बालिका 14 बर्ष व बालक 17 वर्ष के नाबालिग की अलग-अलग स्थानों पर शादी किये जाने की तैयारी हो रही थी जिसकी सूचना के आधार पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी राजेश कुमार खैरवार द्वारा

जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू/दुध्दी नोडल शेषमणि दुबे संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक एवं महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक साधना मिश्रा की संयुक्त टीम का गठन करते हुए निर्देशित किया गया की तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराना सुनिश्चित करे। टीम द्वारा थाना विण्ढमगंज से समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस टीम के साथ ग्राम केवाल मे पहुंच कर नाबालिग बालक/बालिका के माता-पिता से हो रहे बाल विवाह के बारे मे पूछ-ताछ किया गया उनके द्वारा बताया गया कि हम अपनी जमीन बन्धक रखकर अपने बालक की शादी दिनांक 02 / 05/2023 को व बालिका की शादी 03/05/2023 को शादी करने की तैयारी कर रहे हैं तभी टीम द्वारा बालक व बालिका के माता, पिता, से बालक व बालिका के उम्र के संबंध में साक्ष्य चाहा गया बालक व बालिका के उम्र के संबंध में प्राप्त साक्ष्य के आधार पर बालिका की उम्र 14 वर्ष व बालक की उम्र के सम्बन्ध में कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया टीम द्वारा बालिका के माता, पिता, व अन्य उपस्थित लोगों को बाल विवाह एक कानूनन अपराध है व बाल विवाह से होने वाले हानियों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गयी जिसके उपरान्त टीम द्वारा प्रथम दृष्टया देखे जाने पर प्रतीत हुआ की दोनों बालक व बालिका की उम्र कम है और दोनो नाबालिग है जिसकी पुनः नियत तिथि पर शादी ना करवा दिया जाये इसके वजह से टीम द्वारा नाबालिग बालक व बालिका को अपनी अभिरक्षा में लेते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु ले जाया गया शेषमणि दुबे द्वारा आमजन मानस से अपील करते हुये कहा गया की बालिका की उम्र 18 वर्ष व बालक का उम्र 21वर्ष पूर्ण होने के उपरांत ही विवाह कराये साथ ही साधना मिश्रा द्वारा बताया गया कि यदि बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल सम्बंधित थाने, ब्लाक, वन स्टाप सेन्टर, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति सोनभद्र टोल फ्री नम्बर 1098 या 9506918569, 8318953732 पर सूचित करें मौकेपर थाना विण्ढमगंज से उपनिरीक्षक नगेन्द्र प्रसाद, आरक्षी पिंकी कुमारी, सूर्या सिंह, प्रिन्सी सिंह व बाल संरक्षण के क्षेत्र मे कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता अजय कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश कुमार आदि उपस्थित रहे

नोएडा में श्रीराम लाइफ ने अपने एपेक्स चैनल के कार्यालय का किया शुभारंभ

आधुनिक समामचार सेवा

नोएडा इंश्योरेंस की बेहतर जानकारी और अधिक ग्राहकों को अपने साथ जोड़ने के उद्देश्य से अपैक्स चैनल के पूरे देश में कार्यालय खोले जा रहे है। इसी कड़ी में श्रीराम लाइफ ने अपना अपैक्स चैनल का कार्यलय का शुभारम्भ नोएडा में सेक्टर 18 में किया गया।

इस उद्धघाटन कार्यक्रम में श्रीराम लाइफ के कार्यकारी उपाध्यक्ष रोहित ठाकुर द्वारा किया गया। साथ ही इस अवसर पर श्रीराम लाइफ अपैक्स टॉप सिटीज़ हेड उत्कर्ष चौधरी, दिल्ली सर्कल हेड पूजा अग्रवाल व ब्रांच मैनेजर सुधीर शर्मा के के साथ-साथ प्रसिद्ध वित्तीय सलाहकार मधुसुदन और श्रीराम लाइफ से जुड़े सेल्स ऑफिसर भी उपस्थित रहे।

इस दौरान ईवीपी रोहित ठाकुर ने बताया कि श्रीराम ग्रुप इस साल अपनी स्थापना की गोल्डन जुबली मना रहा है व वित्तीय क्षेत्र में 50वर्षों से बनी विश्वसनीयता को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से अपैक्स चौनल इस साल 50 नए कार्यालय खोलने जा रहा है। इस से न सिर्फ़ रोज़गार के बहुत सारे नए अवसर बनेंगे बल्कि वित्तीय योजनाओं का लाभ भी अधिक लोगों तक पहुंच पाएगा। इसी के साथ हाल ही में हमने गारंटीड मच्योरिटी बेनिफिट वाली बिमा योजना प्रीमियर को भी लॉन्च किया है।

आम आदमी के लिए कार्यरत बीमा कंपनी अब हर बड़े शहर में लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के प्रण लिए हुए श्रीराम लाइफ इन्श्युरन्स को फिक्की द्वारा एक्सीलेंस इन क्लेम सेटलमेंट एंड कस्टमर सर्विसिंग का सम्मान दिया गया।

बिना शादी के मां बनने वाली हैं इलियाना डिक्रूज प्रेग्नेंसी का किया ऐलान, फैंन ने पूछा-पिता कौन है?

मुम्बई। इलियाना डिक्रूज ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की। वह अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही है। इलियाना ने अपने बच्चे के पिता की पहचान छुपाने का फैसला किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी ब्लैक एंड व्हाइट वनसी की एक तस्वीर पोस्ट की। अभिनेत्री ने एक लटकन का क्लोज-अप दिखाया, जिस पर मामा शब्द उकेरा गया था। अभिनेत्री ने जैसे ही अपनी मां बनने की घोषणा की वैसे ही पोस्ट पर फैंस के रिएक्शन आने लगे। फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि पिता कौन है। हालांकि, इलियाना ने अभी तक अपने रिश्ते के बारे में खुलासा नहीं किया है।

इलियाना डिक्रूज ने 18 अप्रैल को इंटरनेट पर तूफान ला दिया जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी गर्भावस्था की घोषणा की। हाल ही में इलियाना तब सुर्खियों में आई थीं जब तमिल फिल्म उद्योग में उन्हें प्रतिबंधित किए जाने की खबरें वायरल हुई थीं। हालांकि, तमिल फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल ने इसे निराधार बताया।

इलियाना ने सभी को चौंका दिया जब उन्होंने घोषणा की कि वह अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उसने अपने इंस्टाग्राम पेज पर दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें साझा कीं। इलियाना ने कैप्शन के साथ गर्भावस्था की घोषणा की, जल्द आ रहा है। आपसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकती मेरी नन्ही जान। उनके प्रशंसकों ने टिप्पणी अनुभाग में उन्हें गर्भावस्था पर बधाई दी। उनमें से कुछ यह जानने के लिए उत्सुक थे कि पिता कौन है।

कई साल पहले यह बताया गया था कि इलियाना एक ऑस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर एंड्रयू नीबोन को डेट कर रही हैं। हालांकि 2019 में दोनों अलग हो गए। हाल ही में खबरें आई थीं कि इलियाना एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों, कैटरीना, विक्की और अन्य के साथ मालदीव की यात्रा पर गए थे। हालांकि, इलियाना ने अभी तक अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात नहीं की है।

यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा का निधन, 85 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

मुम्बई। यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा का आज सुबह निधन हो गया। वह 85 साल की थीं। पामेला चोपड़ा एक प्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायिका थीं। इसके अलावा वह फिल्म लेखक और निर्माता भी थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पिछले 15 दिनों से मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थीं। डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा था लेकिन उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। पामेला चोपड़ा को आखिरी बार 'द रोमांटिक्स में देखा गया था जहाँ उन्होंने अपने पति यश चोपड़ा और उनकी यात्रा के बारे में बात की थी।

रोमांटिक्स ने न केवल यश चोपड़ा द्वारा हिंदी फिल्म उद्योग में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला, बल्कि पामेला द्वारा किए गए योगदान पर भी ध्यान केंद्रित कराता है। पामेला ने यश चोपड़ा से 1970 में एक पारंपरिक समारोह में शादी की थी। यह एक अरेंज मैरिज थी। उनके दो बेटे आदित्य और उदय चोपड़ा हैं। आदित्य फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर

हैं। उन्होंने रानी मुखर्जी से शादी की है। उदय एक अभिनेता और फिल्म निर्माता हैं। पामेला चोपड़ा ने कई फ़िल्मी गाने गाए हैं, वे सभी अपने पति की फ़िल्मों के लिए - कभी कभी (1976) से लेकर मुझसे दोस्ती करोगे तक।

1993 की फिल्म आईना का निर्माण स्वतंत्र रूप से उनके द्वारा किया गया था। पामेला ने अपने पति यश चोपड़ा, अपने बेटे आदित्य चोपड़ा और पेशेवर लेखक तनुजा चंद्रा के साथ अपने पति की 1997 की फिल्म दिल तो पागल है की पटकथा का सह-लेखन भी किया था। चोपड़ा का जन्म भारतीय सेना में एक अधिकारी मोहिंदर सिंह की बेटी पामेला सिंह के रूप में हुआ था। तीन बच्चों में सबसे बड़ी थीं। उनके दो छोटे भाई हैं। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का 'घर आजा परदेसी' गाना उनके सबसे लोकप्रिय गीतों में से एक है।

45 साल की उम्र में यह मुश्किल काम सीख रही हैं सुष्मिता सेन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन बीते लंबे समय से कभी अपनी रिलेशनशिप तो कभी अपनी फिटनेस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं, लेकिन अब उन्होंने कुछ ऐसा काम किया है जिसे देखकर आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। जी हां! अब हमारी सुष्मिता जलपरी बन चुकी हैं। वह 45 साल की उम्र में स्कूबा डाइविंग के गुर सीख रही हैं। उनके ये स्कूबा डाइविंग वाले वीडियो अब सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहे हैं। यह स्कूबा डाइविंग वाला एडवेंचर करने वाला वीडियो किसी और ने नहीं बल्कि खुद सुष्मिता सेन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से पोस्ट किया है। इस वीडियो में पूर्व मिस यूनिवर्स समुद्र की गहराई में गोता लगाती दिख रही हैं। इस वीडियो के साथ सुष्मिता ने काफी पॉजिटिव कैप्शन भी शेयर किया है। इस वीडियो में समुद्र तल के पास मरून कलर की बिकिनी में

सुष्मिता किसी जलपरी से कम नहीं लग रहीं। अपने इस नए कारनामे के साथ एक्ट्रेस ने अपने फैंस के लिए एक खूबसूरत सीख भी दी है। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, '45 साल की उम्र में स्किन डाइव सीख रही हूं। कभी भी किसी भी चीज के लिए देर नहीं होती।' सुष्मिता सेन ने आगे लिखा, 'सिर्फ एक स्टेप और खुद पर विश्वास किसी भी चीज की शुरुआत करने के लिए जरूरी है, उसके बाद सब कुछ अपने आप होता चला जाता है। मैं इस समुद्र में तब तक डाइविंग करती रहूंगी जब तक मैं डांस करना नहीं सीख लेती। शुक्रिया हुसैन हसाम मुझे एक ही सांस की ताकत सिखाने के लिए!!' यह कैप्शन बता रहा है कि वह आत्मविश्वास से कितनी भरी हुई हैं। बता दें कि सुष्मिता सेन की बेटियां भी उनके साथ स्कूबा डासविंग सीख रही हैं। सुष्मिता की दोनों बेटियां उनकी सबसे अच्छी दोस्त हैं। सोशल मीडिया पर आए दिन इन तीनों मां बेटियों के मस्ती करते वीडियो वायरल होते रहते हैं।

जीशान अहमद द्वारा प्रस्तुत और सह-निर्मित, इरफान खान की आखिरी फिल्म 28 अप्रैल को होगी रिलीज

मुम्बई। इरफान खान एक ऐसे अभिनेता थे जो अपनी आखों के भावों से किरदारों में जान फूंक देते थे लेकिन अचानक 2020 में कैंसर के कारण उनका निधन हो गया और वह हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कहकर चले गये। इरफान खान की असामयिक मृत्यु के तीन साल बाद भी उनके प्रशंसकों को एक बार फिर से इरफान खान को पर्दे पर देखने का मौका मिलने वाला है। वैसे तो इरफान खान की आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम थी लेकिन उनके मरणोपरांत फिल्म द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स रिलीज होने वाली है।

इरफान खान जब भी पर्दे पर आते थे तो अपनी बेदाग और शानदार अदाकारी से जादू बिखेरते थे। हर कोई इरफान खान के अभिनय का कायल रहा है। अब बड़े पर्दे पर आखिरी बार उनका जादू देखने का समय आ गया है। जी हां द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन नाम की एक ऐसी फिल्म है जो इरफान की आखिरी थिएट्रिकल रिलीज होगी। फिल्म में इरफान को जीवन भर की भूमिका में दिखाया गया है। एक फिल्म जो दुर्भाग्य से उनके जीवित रहते रिलीज नहीं हो पाई लेकिन अब 28 अप्रैल को इरफान खान की तीसरी पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर रिलीज होगी।

द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स का निर्माण ए फेदर लाइट फिल्म्स और केएनएम प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है। इसे पैनोरमा स्पॉटलाइट और 70 एमएम (70श्श) टॉकीज द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सह-निर्माता और 70 एमएम के मालिक जीशान अहमद कहते हैं, 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मेरा नाम इस फिल्म के सह-निर्माता और फिल्म के एक प्रस्तुतकर्ता के रूप में जुड़ा है। हमें खुशी है कि एक फिल्म में इरफ़ान खान की आखिरी ऑनस्क्रीन उपस्थिति जल्द ही देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और उनके प्रशंसकों को उन्हें आखिरी बार बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। मेरा विश्वास कीजिए, फिल्म में इरफ़ान का किरदार और प्रदर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देगा।'

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का प्लॉट काफी दिलचस्प है। इरफ़ान खान का किरदार आदम एक ऊंट व्यापारी है जिसे नूरान से प्यार हो जाता है। द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स नूरान की कहानी कहता है जो एक स्वतंत्र आदिवासी महिला है जो अपनी दादी जुबैदा से बिच्छू-गायन की प्राचीन चिकित्सा कला सीख रही है। एक लोकप्रिय मिथक के अनुसार, यदि कोई बिच्छू आपको काटता है, तो आप तब तक मरेंगे जब तक कि कोई बिच्छू-गायक अपना गाना गाकर आपको ठीक नहीं कर देता।

इरफान खान की महानता को याद करते हुए फिल्म के सह-निर्माता और प्रस्तुतकर्ता जीशान अहमद आगे कहते हैं, 'इरफान खान के बिना सिनेमाई दुनिया कभी पहले जैसी नहीं रहने वाली है। उन्होंने न केवल कई हिंदी फिल्मों को अपनी बारीक और जादुई अदाकारी से ऊपर उठाया बल्कि उन्होंने हॉलीवुड और अन्य उद्योगों में भी कई फिल्में कीं, जहां उनके प्रदर्शन को बहुत सराहा गया। वह एक उत्कृष्ट अभिनेता थे और उनका एक दिलकश और मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स में देखा जाएगा। देखने का मौका न चूकें आखिरी बार बड़े पर्दे पर इरफान खान का जादू चलेगा।'

नोरा फतेही का बार्बी लुक हुआ, फैंस बोले 'लाल परी आपके डांस के दीवाने हैं हम'

नई दिल्ली। बॉलीवुड में इन दिनों नोरा फतेही छाई हुई हैं। नोरा अपने डांस टैलेंट के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने में सफल रही हैं। नोरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी फोटोज से लेकर वीडियो तक चंद मिनटों में वायरल होते देर नहीं लगती। नोरा इन दिनों हॉलीडे पर निकली हुई हैं और यहीं से नोरा ने अपनी एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसे देखकर फैंस एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।नोरा ने अपना बार्बी लुक शेयर किया है जिसमें वो रेड और पिंक कलर

के कपड़ों, हैट और बालों में नजर आ रही हैं। नोरा का ये अंदाज देखकर एक यूजर का कहना था कि वो इंस्टाग्राम पर आग रही हैं तो वहीं एक फैन ने लिखा कि एकदम लाल परी लग रही हैं। बता दें कि बॉलीवुड में नई डांस क्वीन बनकर छाने वाली नोरा फतेही लगभग हर दूसरी फिल्म में नजर आ रही हैं। नोरा की इंडस्ट्री में सेकंड इनिंग काफी सक्सेसफुल नजर आ रही है। पिछले दिनों नोरा का 'ओ साकी साकी' गाने पर किया गया डांस यूट्यूब पर धमाल मचा रहा है। जॉन अब्राहम की फिल्म 'सत्यमेव जयते' में 'दिलबर' गाने से नोरा ने खूब नाम कमाया था और यह गाना भी काफी हिट हुआ था।

बादशाह के 'सनक' गाने से नाराज महाकाल के पुजारी, 'भोलेनाथ' शब्द हटाने की मांग की

मुम्बई। बादशाह के गाने 'सनक' में 'भोलेनाथ' शब्द के इस्तेमाल को लेकर बुधवार को महाकाल मंदिर के पुजारियों ने रोष जताया है। पुजारियों ने कहा कि भोलेनाथ के साथ मेरी बनती है सही' के बोल से श्रद्धालु नाराज हैं। रैपर बादशाह द्वारा हाल ही में जारी एल्बम 'सनक' में भोलेनाथ शब्द के इस्तेमाल से महाकाल के कई पुजारी नाराज हो गए हैं, जिन्होंने भोलेनाथ के नाम के साथ अश्लील शब्दों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। पुजारियों ने मांग की है कि गाने से भोलेनाथ शब्द हटा दिया जाए और माफीनामा जारी किया जाए, नहीं तो वे रैपर बादशाह के खिलाफ मामला दर्ज कराएंगे। रैपर

बादशाह के गाने 'सनक' पर उज्जैन महाकाल मंदिर के पुजारी महेश ने कहा कि हाल ही में एक गाना रिलीज हुआ है, जिसमें अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। गाने में सिंगर ने अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया और फिर खुद को भगवान शिव का भक्त घोषित किया। यह अनुचित है और हम इसका विरोध करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम सनातन धर्म के सभी संगठनों से भी ऐसे सभी गीतों और दृश्यों का विरोध करने का आग्रह करते हैं। उन्होंने प्रशासन और सरकार से इसपर कार्रवाई करने की मांग की। पुजारी महेश पुजारी समेत अन्य पुजारियों का तर्क है कि ऐसे गानों में धार्मिक शब्दों का इस्तेमाल उचित नहीं है और इससे सनातन धर्म से जुड़े शब्दों का गलत इस्तेमाल हो सकता है।

राशिफल

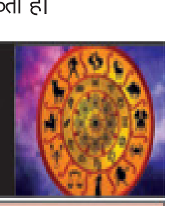

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज़ करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

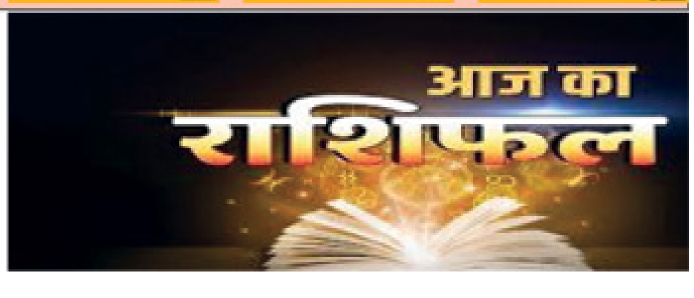

गीत सुन मधुबाला रोनी लगी...

मुम्बई।सन 1957 में एक कमाल की फिल्म आई थी 'एक साल'। फिल्म में दर्द को बेहद संजीदा तरीके से पेश किया गया था। मेरे संगीत से सजी इस फिल्म के भी निर्देशक थे देवेंद्र गोयल और कलाकार थे अशोक कुमार, मधुबाला, जॉनी वॉकर आदि। इस फिल्म के चार गीत लिखे थे प्रेम धवन ने और एक गीत मेरा लिखा था। इस फिल्म के गीत 'चले भी आओ चले भी आओ..' और 'छुम छुम चली पिया की गली..' को गाया था लता मंगेशकर ने और 'गाफिल तुझे घड़ियाल ये देता है मुनादी..' रफी साहब की आवाज में था। तलत महमूद से हमने एक गीत गवाया था, जो उन्हें तब बहुत पसंद आया था। उसके बोल थे 'सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या किया..'। बाद में जब यह गीत रिकार्ड के जरिए लोगों तक पहुंचा, जो सभी सुनने वालों को पसंद आया। मेरा लिखा 'उलझ गए दो नैना देखो उलझ गए..' गीत को गाया था लता जी के साथ हेमंत दा ने। इस गीत को भी लोगों ने पसंद किया, लेकिन तलत साहब के गाये गीत ज्यादा मकबूल हुए। लोग उसे आज भी गाते हैं।इस फिल्म का संगीत जब मैं बना रहा था, एक बात की चर्चा फिल्म इंडस्ट्री में जोरों से हुई और वह बात थी इस फिल्म की हीरोइन मधुबाला और दिलीप कुमार को लेकर। यह उन दिनों की बात है, जब मधुबाला और दिलीप कुमार के बीच अनबन हो गई थी और दोनों फिल्म तो साथ करते थे, लेकिन बात नहीं करते थे। दिलीप कुमार से उनके संबंध खराब होने के बाद उन दिनों मधुबाला काफी दुखी रहा करती थीं। यह मैं बता चुका हूं कि इस फिल्म के लिए मैंने एक गाना रिकार्ड किया था, जिसके बोल थे, 'सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या किया..'। इस फिल्म की शूटिंग जब चेंबूर में चल रही थी, तब कुछ काम आ गया और फिल्म के निर्देशक गोयल साहब के कहने पर मैं भी वहां पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद सबसे पहले गोयल साहब ने मेरा परिचय मधुबाला से करवाया, तो उन्होंने कहा कि आपने यह गाना बहुत ही अच्छा बनाया है। फिर हमारी हिचक भी दूर हुई और फिर हमारे बीच कुछ देर तक औपचारिक बातचीत हुई।

उसके बाद वे मेकअप रूम में चली गई और मैं वहीं गोयल साहब के पास बैठा रहा। अभी कुछ ही समय बीता था कि एक लड़की ने आकर मुझसे कहा कि मैडम यानी मधुबाला जी आपको बुला रही हैं। उस लड़की की बात सुनकर मैं हड़बड़ा गया और सोचने लगा। मेरी स्थिति गोयल साहब समझ गए। गोयल साहब ने कहा, जाओ मिलकर आओ..। मैं मधुबाला के पास पहुंचा, तो उन्होंने मुझसे वही गाना पूरा सुनाने की फरमाइश की। मैंने कहा कि अभी तो इसी गाने का

फिल्मांकन चल रहा था, क्या आपने गाना सुना नहीं। वे बोलीं, 'नहीं-नहीं.., वहां मजा नहीं आता है, एक-एक लाइन पर शॉट लिया जाता है, पूरा गाना कहां सुन पाती हूं..? प्लीज उस गाने को पूरा सुनाइए, बहुत अच्छा बनाया है आपने..'।

उनकी बात सुनकर मैंने टेबुल पर ठेका बजाकर उन्हें पूरा गाना गाकर सुना दिया। मैं जब गीत गा रहा था, तब मेरी आंखें बंद थीं और मैं गाये जा रहा था। जब गाना खत्म हुआ और मैंने अपनी आंखें खोलीं, तो जो देखा, मेरे मुंह से अचानक निकल गया, 'यह क्या..?' गाना सुनकर मधुबाला फूट-फूटकर रोने लगी थीं। मुझे लगा कि मैंने कोई गलती तो नहीं कर दी? फिर हिम्मत करके पूछा, तो वे अपने आंसू पोंछते हुए बोलीं, 'नहीं..। इस गाने ने मेरे दिल को छू लिया है, इसलिए मैं खुद को रोक नहीं पाई.. इसलिए आंसू निकल आए..।' मधुबाला से मेरी दूसरी मुलाकात फिल्म 'शामे-अवध' के समय हुई थी। इस फिल्म को उनके पिता अताउल्लाह खान बना रहे थे। उन्होंने हेमंत कुमार को संगीत-निर्देशन के लिए साइन किया था और तब मैं उनके लिए भी काम करता था।इस फिल्म के बाद आई एक और भक्ति फिल्म 'नरसी भगत'। इसके निर्देशक भी थे देवेंद्र गोयल ही और इस फिल्म में काम किया था निरुपा राय, शाहू मोदक, प्रतिमा देवी, राधा कृष्ण, ललिता पवार आदि ने। इस फिल्म में थे तो कई गीत, लेकिन जिस गीत ने कमाल की सफलता पाई, वह था हेमंत दा, मन्ना डे और सुधा मल्होत्रा की आवाज वाला 'दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अंखिया प्यासी रे..'। इस फिल्म के सभी गीत लिखे थे कवि गोपाल सिंह नेपाली ने और एक गीत नरसी मेहता के ही गाये भजन थे। गांधी जी का सबसे प्रिय गीत 'वैष्णव जन तो तैने कहिए पीड़ पराई जाने रे..' को मन्ना डे ने गाया था। इसमें कुल बारह गीत थे जिनमें आवाज थी मोहम्मद रफी, आशा भोसले आदि की। सन 1958 में आई केदार कपूर निर्देशित फिल्म 'देवर भाभी'। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार और माला सिन्हा हीरो-हीरोइन थे। बलराज साहनी, राम मोहन और तिवारी भी थे। इस फिल्म का एक गाना मुझे अभी भी याद है, जिसके बोल थे 'प्यार की गलियों से बेटा कर ले बिस्तर गोल, जमाना नाजुक है..'। इस फिल्म के सभी गीत लिखे थे शैलेंद्र ने और एक खूबसूरत गीत 'तस्वीर तेरी दिल मेरा बहला न सकेगी..', जो रफी की आवाज में था को लिखा था राजा मेहंदी अली खां ने। इस फिल्म के अन्य गीत 'चोरी छुप जाए रे..' में आवाज आशा भोसले और शमशाद बेगम की थी। 'हजारों हसरतें ऐसी..' को भी रफी ने ही गाया था। 'ये कैसी रुत आई अजब रंग लाई..' और 'किसे थी खबर कि यूं हद से..' में आवाज थी आशा भोसले की और 'आंख की अंधी..' को गाया था मन्ना डे ने। गीत 'किसी थी खबर..' फिल्म में दो बार था। एक बार खुशी वाला और दूसरी बार सैड अंदाज वाला।यह वह दौर था, जब मैं फिल्मी दुनिया में बतौर संगीतकार चल निकला था और कामयाब हो गया था। बहुत काम था मेरे पास, लेकिन रहने का स्थान मैंने अभी नहीं बदला था। कांदिवली में जिस गोदाम में रहता था, उसी गोदाम से जुड़ा दूसरा गोदाम भी किराए पर ले लिया था। हां, हिलमैन कार मैंने तब बेच दी थी और उसकी जगह फिएट खरीद ली थी। कुछ दिनों बाद एक और बड़ी कार प्राइमाउथ खरीदी यानी कांदिवली वाले मकान में मेरे पास दो-दो कारें थीं। घूमने का शौक मुझे शुरू से ही था। जब भी काम से फारिग होता, परिवार के साथ घूमने निकल जाता था। एक बार तो गजब हो गया। हम सब कार से खंडाला गए। लौटते समय रास्ते में कार खराब हो गई। रात हो गई थी। सब लोग घबरा गए। कार का इंजन बहुत गर्म हो गया था। काफी मेहनत करने के बाद जब गाड़ी स्टार्ट हुई, तब सबकी जान में जान आई। उसी वक्त पत्नी की मां की मृत्यु हो गई। उनके पिता ने कुछ समय बाद दूसरी शादी कर ली, लिहाजा पत्नी की दोनों छोटी बहनें दादा-दादी के पास रहने लगीं। जब बीच वाली बहन की शादी हो गई और कुछ दिनों बाद दादी की भी मौत हुई, तब छोटी बहन बिन्नो अकेली हो गई, तो मैंने बिन्नो और दादा जी को अपने साथ रहने के लिए बंबई बुला लिया और हम एक परिवार की तरह सुख के साथ रहने लगे।.पिछली दफा बात हुई थी चंद्रा और अपनी कुछ अन्य फिल्मों 'अलबेली' और 'प्रभु की माया' के गीतों के बारे में। अब बात उससे आगे की..।

सन 1957 में एक कमाल की फिल्म आई थी 'एक साल'। फिल्म में दर्द को बेहद संजीदा तरीके से पेश किया गया था। मेरे संगीत से सजी इस फिल्म के भी निर्देशक थे देवेंद्र गोयल और कलाकार थे अशोक कुमार, मधुबाला, जॉनी वॉकर आदि। इस फिल्म के चार गीत लिखे थे प्रेम धवन ने और एक गीत मेरा लिखा था। इस फिल्म के गीत 'चले भी आओ चले भी आओ..' और 'छुम छुम चली पिया की गली..' को गाया था लता मंगेशकर ने और 'गाफिल तुझे घड़ियाल ये देता है मुनादी..' रफी साहब की आवाज में था। तलत महमूद से हमने एक गीत गवाया था, जो उन्हें तब बहुत पसंद आया था। उसके बोल थे 'सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या किया..'। बाद में जब यह गीत रिकार्ड के जरिए लोगों तक पहुंचा, जो सभी सुनने वालों को पसंद आया। मेरा लिखा 'उलझ गए दो नैना देखो उलझ गए..' गीत को गाया था लता जी के साथ हेमंत दा ने। इस गीत को भी लोगों ने पसंद किया, लेकिन तलत साहब के गाये गीत ज्यादा मकबूल हुए। लोग उसे आज भी गाते हैं।इस फिल्म का संगीत जब मैं बना रहा था, एक बात की चर्चा फिल्म इंडस्ट्री में जोरों से हुई और वह बात थी इस फिल्म की हीरोइन मधुबाला और दिलीप कुमार को लेकर। यह उन दिनों की बात है, जब मधुबाला और दिलीप कुमार के बीच अनबन हो गई थी और दोनों फिल्म तो साथ करते थे, लेकिन बात नहीं करते थे। दिलीप कुमार से उनके संबंध खराब होने के बाद उन दिनों मधुबाला काफी दुखी रहा करती थीं।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।